Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 288 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, बुधवार 15 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

महापुरूष वे ही है जो समचित, क्षमावान, शील सम्पन्न और परोपकारी है।

He is the great man who is even mind, forgiving, complete and beneficent.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

एसआईए ने आतंकवाद से जुड़े मामलों में कश्मीर में कई ठिकानों पर की छापेमारी

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर की जांच एजेंसी (एसआईए) ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर जिलों में कई स्थानों पर छापेमारी की। एसआईए के अधिकारियों ने शोपियां, अनंतनाग और कुलगाम जिलों में सुबह-सुबह छापेमारी शुरू की। अधिकारियों ने बताया, यह छापेमारी आतंकवादियों द्वारा एक गैर-स्थानीय की हत्या के सिलसिले में की जा रही है। एसआईए अधिकारियों ने कहा कि उनके पास कई सुराग हैं जो शामिल आतंकवादियों की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने में मदद करेंगे। एसआईए जम्मू-कश्मीर पुलिस की एक आतंकवाद विरोधी शाखा है।

अब तिहाड़ जेल को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के स्कूलों, अस्पतालों को बम से उड़ाने का धमकी मिलने के बाद अब दिल्ली की तिहाड़ जेल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी मंगलवार को ईमेल के माध्यम से दी गई है। तिहाड़ प्रशासन ने दिल्ली पुलिस को धमकी दिए जाने की जानकारी दी है। धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। मौके पर पहुंच कर पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम सर्च ऑपरेशन चला रही है। वहां आने जाने वाले लोगों पर कुछ घंटों के लिए रोक लगा दी गई है। तिहाड़ जेल के अंदर और बाहर चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा रही है।

पूर्व डिप्टी सीएम सुशील कुमार मोदी के निधन पर अश्विनी चौबे हुए भावुक

पटना (आरएनएस)। बीजेपी के वरिष्ठ नेता अश्विनी चौबे ने बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए अपना भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में अश्विनी चौबे यह कहते हुए सुने और देखे जा सकते हैं कि वो (दिवंगत सुशील कुमार मोदी) एक अध्ययनशील व्यक्ति थे। वो हमेशा ही पुस्तकें पढ़ा करते थे। उन्हें अध्ययन करना बहुत अच्छा लगता था। उन्होंने कहा, सुशील जी मेरे मित्र ही नहीं, बल्कि मेरे भाई के समान थे। मैंने आज अपने एक ऐसे भाई को खोया है, जिसकी शब्दों में व्याख्या नहीं की जा सकती। सुशील मोदी जी मुझे हर विषम परिस्थितियों में सलाह देते थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी से तीसरी बार दाखिल किया अपना नामांकन

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- आने वाले समय में काम की गति और भी तेज होगी

गृहमंत्री अमित शाह समेत कई दिग्गज रहे मौजूद

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की वाराणसी लोकसभा सीट से मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. प्रधानमंत्री मोदी इस निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं और रिकॉर्ड अंतर से जीत की उम्मीद कर रहे हैं। इस मौके पर उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके प्रस्तावक गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ मौजूद रहे। इसके अलावा नामांकन स्थल पर गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ एनडीए के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। नामांकन से एक दिन पहले पीएम मोदी वाराणसी में भव्य रोड शो भी कर चुके हैं. इस सीट पर 1 जून को मतदान किया जाएगा.

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी काल भैरव की पूजा-अर्चना कर नामांकन स्थल पहुंचे। पीएम मोदी गंगा सप्तमी के अवसर पर दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा की पूजा करने के बाद क्रूज पर सवार होकर नमो घाट पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग से काल भैरव मंदिर के लिए रवाना हुए। पीएम मोदी ने गंगा सप्तमी के साथ ही पुष्य नक्षत्र में नामांकन पत्र दाखिल किया। पीएम मोदी के नामांकन को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। तेज धूप के बीच भी लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे। साथ ही नामांकन में शामिल होने के लिए कई बड़े नेता कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री मोदी के नामांकन पर कहा कि पीएम मोदी का भव्य रोड शो पूरे काशी, उत्तर प्रदेश व देश को उत्साहित करने वाला था। प्रधानमंत्री मोदी का मिशन जरूर सफल होगा, वह एक पृथ्वी और एक भविष्य की बात करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नामांकन दाखिल करने के बाद कहा कि इस ऐतिहासिक क्षेत्र के लोगों की सेवा करना एक सम्मान है। आने वाले समय में काम की गति और तेज होगी. वाराणसी लोकसभा सीट के लिए एक उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस ऐतिहासिक सीट के लोगों की सेवा करना सम्मान की बात है। लोगों के आशीर्वाद से, पिछले दशक में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल हुई हैं। काम की यह गति आगे बढ़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि आज काशी में हमारे मूल्यवान एनडीए सहयोगियों की उपस्थिति से उन्हें सम्मानित महसूस हुआ है। उन्होंने कहा कि आज काशी में हमारे मूल्यवान एनडीए सहयोगियों की उपस्थिति से मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारा गठबंधन राष्ट्रीय प्रगति और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करता है। हम आने वाले वर्षों में भारत की प्रगति के लिए मिलकर काम करेंगे।

इस बीच, वाराणसी लोकसभा सीट से पीएम मोदी के नामांकन पर एलजेपी-रामविलास प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि जिस तरह से पूरा एनडीए प्रधानमंत्री के समर्थन में एक साथ आया है, वह हमारी ताकत है। चिराग पासवान ने कहा कि दूसरी तरफ विपक्ष बंटा हुआ है...मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री के नामांकन के बाद जो नतीजे आएंगे वो ऐतिहासिक होंगे।

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने मोदी के नामांकन को लेकर कहा कि आज एक ऐतिहासिक दिन है, वाराणसी एक पवित्र स्थान है। नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। पिछले 10 वर्षों से उन्होंने अद्भुत काम किया है। मौजूदा सांसद और बीजेपी उम्मीदवार मोदी ने जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

वाराणसी भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गढ़

प्रधानमंत्री के नामांकन में कुल 25 एनडीए नेता शामिल हुए। वाराणसी सीट में पांच विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं, जिनमें रोहनिया, वाराणसी उत्तर, वाराणसी दक्षिण, वाराणसी कैंट और सेवापुरी शामिल हैं। वाराणसी भाजपा और पीएम मोदी का गढ़ है. आगामी लोकसभा चुनाव में यह सबसे प्रतीक्षित मुकाबला होगा। पीएम मोदी ने 2014 और 2019 दोनों आम चुनावों में प्रचंड बहुमत के साथ निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। इस बार उनका मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय से है, जो प्रधानमंत्री के खिलाफ विपक्षी इंडिया ब्लॉक के संयुक्त उम्मीदवार हैं। यूपी कांग्रेस प्रमुख राय को कांग्रेस ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में वाराणसी में पीएम के खिलाफ मैदान में उतारा था। लेकिन दोनों बार वह तीसरे स्थान पर रहे।

नक्सलियों को चुकानी होगी मासूमों की मौत की कीमत : विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने आईईडी की चपेट में आने से मासूमों की मौत पर दुख व्यक्त किया

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए जंगल गए दो बच्चों की आईईडी की चपेट में आने से मौत हो गई। इस हादसे पर राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दुख व्यक्त किया और कहा है कि नक्सलियों को इसकी कीमत चुकानी होगी।

राज्य के मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को हुई घटना का जिक्र करते हुए एक्स पर लिखा, बीजापुर जिले के बड़े बोड़गा गांव के एक खेत में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी की चपेट में आने से गांव के दो मासूम बच्चों के देहावसान की दुखद सूचना प्राप्त हो रही है। ईश्वर से उन अबोध बच्चों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं।

उन्होंने आगे लिखा, नक्सलवाद का काला साया हमारे बच्चों को निगल रहा है, जिसे किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। नक्सलियों को मासूमों के करुण मौत की क़ीमत अवश्य चुकानी होगी।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जताया शोक : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर कहा कि नक्सलियों की इस करतूत की जितनी निंदा की जाए कम है। परमात्मा इन अबोध बच्चों की आत्माओं को शांति दें। सरकार उनके परिवार के साथ खड़ी है।

ज्ञात हो कि सोमवार को बीजापुर के भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के इंद्रावती नदी के तट पर बोड़गा गांव में दो बच्चे अपने पालकों के साथ तेंदूपत्ता तोड़ने गए थे। इसी दौरान आईईडी में धमाका हुआ, जिसमें उनकी मौत हो गई। इससे एक दिन पहले भी एक युवती की आईईडी की चपेट में आने पर मौत हुई थी। यह आईईडी जवानों को शिकार बनाने के लिए लगाए गए थे, मगर निर्दोष इसकी चपेट में आ गए। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों ने भी नक्सलियों के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है, जिसमें कई नक्सली मारे गए हैं।

पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को एक-एक बूथ पर विजय का दिया मंत्र

वाराणसी (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी में कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी तो जीत जाएगा, क्योंकि आप जिताने वाले हो, लेकिन इस बार मुझे हर एक पोलिंग बूथ जीतना है, जिसकी जिम्मेदारी आपकी है।

सबसे पहले पीएम मोदी ने सभी कार्यकर्ताओं को थैंक्यू कहा और एक जून तक अपना उत्साह और उमंग बनाए रखने के साथ-साथ प्रत्येक पोलिंग बूथ पर विजय का मंत्र दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि लोगों का विश्वास जीतना आसान नहीं होता है। पंचायत चुनाव में भी जीतना हो तो नाकों चने चबाने पड़ते हैं। 24 घंटे लोगों के प्रति समर्पित रहना पड़ता है, तब जनता प्यार करती है और अपना आशीर्वाद देती है। ऐसे में इस बार भी जनता का ये प्यार, ये उत्साह, ये आशीर्वाद रोड शो के साथ-साथ ईवीएम में भी दिखाई देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि यदि आप सभी कार्यकर्ता इजाजत दें तो आपसे कुछ कहना चाहता हूं। आपसे इतना ही कहना है, थैंक्यू। 2014 में भी यहां रोड शो किया था और 2019 में भी रोड शो किया था, देश भर में इन दिनों सप्ताह में तीन-चार रोड शो कर रहा हूं, लेकिन कल सारे रिकॉर्ड आपने तोड़ दिए। इसके लिए आपके माध्यम से जनता जनार्दन को सिर झुकाकर धन्यवाद करना चाहूंगा। आज जो आप कर रहे हैं, जीवन के कई वर्ष तक इस काम को मैंने भी किया है। संकल्प पूरा होने की खुशी एक कार्यकर्ता से ज्यादा किसी और को नहीं होती। उन्होंने कहा कि काशी में जो कुछ भी विगत दस वर्ष में हुआ है, वो सब आपकी वजह से हुआ है।

चार चरणों के चुनाव में भाजपा धराशायी हो गयी है : अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज जालौन में समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी नारायण दास अहिरवार के समर्थन में विशाल चुनावी जनसभा को सम्बोधित किया। अखिलेश यादव ने कहा कि चार चरणों के चुनाव में भाजपा धराशायी हो गयी है। अब पांचवें चरण में बुन्देलखण्ड की धरती भाजपा के अहंकार को खंड-खंड करेगी। भाजपा ने बुन्देलखण्ड की जनता को धोखा दिया है। भाजपा ने बुन्देलखण्ड के किसानों से आय दोगुनी करने का वादा किया था। तमाम तरह के सपने दिखाए थे। बुन्देलखण्ड की जनता अपने दुश्मन को पहचानती है। भाजपा की केन्द्र की दस साल और राज्य की सात साल की सरकार ने झूठे वादों और सपनों के अलावा बुन्देलखण्ड उरई जालौन, झांसी, ललितपुर में कुछ नहीं किया। इस लोकसभा चुनाव में बुन्देलखण्ड की जनता भाजपा से हिसाब लेगी। बुन्देलखंड में भाजपा का सूपड़ा साफ कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने महंगाई आसमान पर पहुंचा दी है। खाद, कीटनाशक, डीजल, सिंचाई सब महंगी कर दी लेकिन किसानों की फसलों की कीमत नहीं बढ़ी। भाजपा ने किसानों को हर तरह से लूटने का काम किया है।

भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा में बोले उप्र के मुख्यमंत्री

राम मंदिर के निर्माण से दुखी है रामद्रोही : योगी आदित्यनाथ

टिकैतनगर/बाराबंकी (आरएनएस)। अयोध्या के रामलला के दर्शन से जो आषीर्वाद आप लोगों को मिलता है उसमें से थोड़ा आशीर्वाद मुझे और देश के प्रधानमंत्री को भी मिलता है। उक्त बात विधानसभा दरियाबाद के ग्राम जेठौती में स्थित वीआईपी भट्ठे के सामने मैदान में अयोध्या के भाजपा प्रत्याषी लल्लू सिंह के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए प्रदेष के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आपके वोट की ताकत से मोदी जी को ताकत मिलती है उसी ताकत के दम पर आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। उन्होने आगे कहा कि लोकसभा चुनाव में एक तरफ देश में राम भक्त हैं तो दूसरी तरफ रामद्रोही हैं। रामभक्त राममंदिर से प्रसन्न है, रामद्रोही राममंदिर के निर्माण से दुखी हैं। उन्होंने आगे कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध केवल रामद्रोही और पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान कर रहा है। इसके अलावा पूरे देश में राम मंदिर के भव्य निर्माण से खुशी का माहौल व्याप्त है। प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सुरक्षा और दुनिया की बड़ी ताकत बनाने के लिए देश के लिए मोदी जरूरी है। क्योंकि मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पूरे विश्व में भारत का मान और सम्मान बढ़ा है। श्री योगी ने आगे कहा कि 2014 के पहले गरीब भूख से मरता था किसान आत्महत्या करता था। लेकिन भाजपा सरकार में गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। प्रदेश में भाजपा सरकार से पहले जब सपा और बसपा की सरकार थी तो प्रदेश में जमकर दंगे होते थे दंगो के बाद कर्फ्यू लगता था और पूरा समाज डर और भय से दहषत में रहता था। लेकिन अब प्रदेश में दंगे नहीं होते हैं और न ही राम भक्तों पर गोलियां चलायी जाती हैं। अब तो कांवर यात्रा में भक्तों के ऊपर फेल बरसाये जाते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को पूरी तरह से पता है कि भारत पहले किसी को छेड़ता नही है लेकिन छेड़ने वालों को छोड़ता भी नही है। अब अगर जोर से पटाखा भी दगता है तो पाकिस्तान को सफाई देनी पड़ती है। भाजपा प्रत्याषी लल्लू सिंह के पक्ष में जनसभा को सम्बोधित करते हुए उन्होने आगे कहा कि अयोध्या में भव्य दीपावली, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, चैड़ी सड़कें है।

शासकीय कर्मियों के यात्रा भत्ता और दैनिक भत्तों की दरों में संशोधन

रायपुर (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी सौगात मिली है। दरअसल कर्मचारियों के यात्रा भत्ता और दैनिक भत्तों की दारों में संशोधन किया गया है। इस संबंध में वित्त विभाग की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। यहा आदेश मंत्रालय महानदी भवन के वित्त विभाग से जारी किया गया है।

वित्त विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार अब लोक वाहन या सड़क यात्रा में श्रेणी ए, बी और सी के सरकारी कर्मचारी को वातानुकूलित बस से यात्रा की पात्रता होगी। जबकि तो वहीं श्रेणी डी के सरकारी कर्मचारियों को गैर वातानुकूलित डीलक्स बस और वीडियो कोच से यात्रा की पात्रता होगी। इसके साथ ही हवाई यात्रा के लिए एच.ए.जी वेतनमान प्राप्त करने वाले अधिकारी देश के अंदर एक्सीक्यूटिव क्लास से यात्रा के पात्र होंगे। वेतन लेवल-14 (ग्रेड पे 7600) या इससे अधिक वेतन प्राप्त करने वाले अधिकारी देश के अंदर इकोनॉमी क्लास से यात्रा के पात्र होंगे। बता दें कि ए और बी श्रेणी के कर्मचारी अगर खुद की कार से सफर करते हैं, तो प्रति किलोमीटर की दर से 12 रुपए मिलेंगे।

छत्तीसगढ़ में जमीन-मकान बेचने के दस्तावेजों में अब संपत्ति से संबंधित गूगल लोकेशन देना होगा अनिवार्य

रायपुर (आरएनएस)। राज्य में जमीन-मकान बेचने के दस्तावेजों में अब संपत्ति से संबंधित गूगल लोकेशन को अनिवार्य किया जाएगा। इसके लिए नगरी प्रशासन विभाग आवास एवं पर्यावरण विभाग और छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण के सॉफ्टवेयर के साथ पंजीयन सॉफ्टवेयर के इंटीग्रेशन करने की तैयारी है। इसमें खरीदार किसी अप्रूव्ड परियोजनाओं में खरीदी करते समय यह परीक्षण कर सकेगा कि उसे सही प्लॉट मिल रहा है या नहीं। जो प्लाट वह खरीद रहा है वह नियमानुसार वैध है या नहीं। कहीं ऐसा तो नहीं है कि वह कोई सार्वजनिक प्रयोजन की जगह है।

इसके अलावा बिल्डर या कॉलोनाइजर का बिल्डर का ट्रैक रिकॉर्ड आदि का पता कर सकेगा। जानकारी के मुताबिक पंजीयन कार्यालयों में शिकायतें आती रहती हैं कि रजिस्ट्री करवाने के बाद पक्षकार को अपनी संपत्ति मौके पर नहीं मिलती है। इससे बचने के लिए रजिस्ट्री की दस्तावेजों में गूगल लोकेशन के साथ अक्षांश और देशांतर की स्थिति स्पष्ट करना अनिवार्य होगा, जिससे उसे भविष्य में अपने क्रयशुदा संपत्ति के पहचान में आसानी होगी।

पावर ऑफ अटार्नी में भी अब होंगे नए नियम : वर्तमान में भू-संपदा का कमोडिटी की तरह ट्रेडिंग हो रहा है। लोग स्टांप रजिस्ट्री खर्च बचाने और आयकर लेनदेन से बचने के लिए जमीन की रजिस्ट्री नहीं करके पावर आफ अटार्नी कर रहे हैं। इससे आयकर जीएसटी और स्टांप ड्यूटी व रजिस्ट्री राजस्व की बड़े पैमाने पर हानि हो रही है। इस प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने के लिए गैर पारिवारिक मुख्तियार नामा में विक्रय विलेख की तरह स्टांप ड्यूटी और पंजीयन शुल्क लगाया जाएगा।

पंजीयन कानून में भी बदलाव के संकेत : वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कई अभिलेख ऐसे हैं जो पंजीयन अनिवार्य नहीं है। इससे इन विलेख के पक्षकारों को समुचित कानूनी संरक्षण नहीं मिल पाता। ऐसे अनेक विलेखों की पहचान कर उसे पंजीयन अनिवार्य श्रेणी में लाने की प्रक्रिया जारी है। छत्तीसगढ़ पंजीकरण नियम 1939 अभी भी राज्य में प्रचलित है। स्टांप एवं पंजीयन से संबंधित विधियां,नियम बहुत पुराने है और समय के साथ उसमें संशोधन परिवर्तन नहीं होने से अनेक विरोधाभास,विसंगतियां पैदा हो गई हैं। स्टांप एवं पंजीयन से संबंधित विधियों और नियमों को अपडेट किया जा रहा है।

आज शहर के आधा दर्जन पानी टंकियों से नहीं होगी पानी की सप्लाई

रायपुर (आरएनएस)। आगामी 15 मई की शाम को रायपुर शहर के छह टंकियों से पानी सप्लाई नहीं होगी। भाठागांव स्थित 47.5 एमएलडी क्षमता के फिल्टर प्लांट के पुराने प्लांट की रॉ वॉटर पाइपलाइन को नई 80 एमएलडी रॉ वाटर पाइपलाइन से इंटरकनेक्शन का काम किया जाना है। इसके चलते बुधवार की सुबह पानी सप्लाई की जाएगी, इसके बाद शाम को पानी सप्लाई बंद रहेगी । निगम अधिकारियों ने बताया कि, काम के दौरान 10 घंटे का शटडाउन रहेगा। काम पूरा होने के बाद 16 मई की सुबह से फिर से पानी की सप्लाई शुरू होगी। निगम अधिकारियों ने बताया कि, पाइप लाइन के इंटरकनेक्शन के कारण बैरन बाजार पुरानी टंकी, बैरन बाजार नई पानी टंकी, देवेन्द्र नगर नई और पुरानी पानी टंकी, संजय नगर और महापौर निवास स्थित टंकी से पानी की सप्लाई नहीं होगी। इससे करीब 50 हजार लोग प्रभावित होंगे। वहीं निगम जल विभाग के अध्यक्ष सतनाम सिंह पनाग ने जानकारी देते हुए बताया कि, पाइप लाइन की मरम्मत के काम से शहर की लगभग सभी टंकियों से पानी की सप्लाई प्रभावित होगी। इस दौरान पानी की ऑप्शनल सप्लाई जारी रहेगी। इसके लिए टैंकर से पानी की सप्लाई की जाएगी।

कांटाबांजी के बोंगामुंडा और सिंधेकेला में बृजमोहन अग्रवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली और जनसंपर्क किया

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने ओडिशा में भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद कर दिया जीत का मंत्र

प्रधानमंत्री की कार्ययोजनाओं को जनता तक पहुंचाने की अहम जिम्मेदारी भाजपा कार्यकर्ताओं की

रायपुर/कांटाबांजी (विश्व परिवार)। लक्ष्य कोई भी मुश्किल नहीं होता बस आपके अंदर उसको हासिल करने की जिद्द, जुनून और दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो उसे प्राप्त करना नामुमकिन नहीं होता। यह बात छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को ओडिशा के कांटाबांजी में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान कही।

बृजमोहन अग्रवाल ने बोंगामुंडा और सिंधेकेला में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक ली। जिसमे चुनावी कार्ययोजना पर चर्चा की साथ ही कार्यकर्ताओं के साथ अपने राजनीतिक अनुभवों का साझा करते हुए उन्हें जीत का मंत्र दिया। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वह पार्टी की नीतियों और हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की कार्य योजनाओं को जनता के बारे में बताएं और उन्हें भाजपा को वोट देने के लिए प्रेरित करें। जिन राज्यों में भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार है। वहां विकास तेजी गति से हो रहा है। जबकि ओडिशा में नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली राज्य सरकार केवल एक परिवार के लिए काम कर रही है। जिसे ओडिशा की जनता और उसकी समस्याओं के बारे में कोई कुछ भी लेना-देना नहीं है। श्री अग्रवाल ने यह भी कहा कि सबसे ज्यादा पश्चिम ओडिशा के हैं। जहां बेरोजगारी के चलते लाखों लोग छत्तीसगढ़ समेत दूसरे बड़े राज्यों में पलायन कर चुके हैं। लेकिन 25 साल से शासन करने के बावजूद पटनायक सरकार ने इस क्षेत्र और यहां की भोली भाली गरीब जनता के लिए कुछ नहीं किया है। राज्य की जनता अब बदलाव चाहती है जिसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता के बीच में जाकर उन्हें मोदी जी के काम को बताना पड़ेगा और ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाजपा को वोट देने के लिए प्रेरित करना पड़ेगा। बृजमोहन अग्रवाल ने मंगलवार को सिंधेकेला में जनसंपर्क भी किया और भाजपा के लिए वोट मांगे यहां से भाजपा लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती संगीता कुमारी सिंहदेव चुनाव मैदान में हैं जबकि कांटाबांजी विधानसभा से श्री लक्ष्मण बाग भाजपा के प्रत्याशी है। आज की बैठक और जनसंपर्क के दौरान राजीव अग्रवाल, तुलसीराम अग्रवाल, राजस्थान से भाजपा विधायक विक्रम सिंह, पूर्व विधायक अविनेश वैश्य, शिव जी महंत, शांतिलाल बोथरा, राजेश अग्रवाल, विजय गोयल, सुभाष अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आरआईटीईई में हुआ रक्तदान शिविर का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी के 29 वर्ष पुराने आरआईटीईई ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के द्वारा महानदी एज्यूकेशन सोसायटी की उपाध्यक्षा श्रीमति ललिता जैन जी के द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर मंदिर हसौद, छतौना स्थित कैम्पस में सुबह 10 बजे से शाम 04.00 बजे तक थैलेसिमिया सोसायटी एवं सिटी ब्लड बैंक के सौजन्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें सिटी ब्लड बैंक चिकित्सक दल एवं उनके सहयोगीगण का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। उक्त रक्तदान शिविर में लगभग 35 यूनिट से ज्यादा रक्तदान शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र एवं छात्राओं एवं कर्मचारियों के द्वारा किया गया। शिविर में उपस्थितजनों के द्वारा श्रीमति ललिता जैन जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर रक्तदान शिविर को प्रारंभ किया गया। इस आयोजन में महानदी एज्यूकेशन सोसायटी के अध्यक्ष श्री स्वरुपचंद जैन, सचिव श्री शैलेन्द्र जैन, श्रीमति संगीता जैन, कु. शुभिका जैन, कु. सुरम्या जैन, श्री संजय जैन, श्रीमति राखी जैन, डायरेक्टर डॉ बालाकृष्णन पी., इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनीष सखलेचा, फार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस.बी.भांजा, सिटी ब्लड बैंक से डॉ. मनोज लांजेवार एवं थैलेसिमिया सोसायटी के सचिव श्री जगदीश जी, विशेष रुप से उपस्थित थे।

'बुजुर्ग-हमारी धरोहर' पर छात्राओं का नुक्कड़ नाटक आज

रायपुर (विश्व परिवार)। शिवानी स्मृति सेवा संस्थान की छात्राओं द्वारा कल बुधवार 15 मई को सुबह 10.30 बजे बूढ़ेश्वर मंदिर चौक, बूढ़ातालाब के पास एक नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की जाएगी। संस्थान के अध्यक्ष मुकेश शाह ने बताया कि बुजुर्ग -हमारी धरोहर पर 11 छात्राएं घरों में बुजुर्गों की हो रही उपेक्षा तथा उनके साथ हो रही घरेलू प्रताड़ना प्रदर्शित करेंगी। बुजुर्ग किस तरह अपने मन की भावनाओं को घर में सबके सामने नहीं रख पाते और बाद में उन्हें वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, इसको भी नुक्कड़ नाटक में दिखाया जाएगा। नाटक के अंत में उपस्थित जनों को घर के बुजुर्गों के सम्मान व उन्हें कभी वृद्धाश्रम नहीं भेजने का संकल्प दिलाया जाएगा। नाटक में भाग लेने वाली छात्राएं हैं-नंदिनी साहू, सेजल सोनी, सारिका सोनकर, गीतिका साहू, कुमकुम यादव, गुंजन सोनकर, राशि थवाईत, नीलिमा देवांगन, चेतना देवांगन, मोहिनी दुबे, निकिता यादव।

कांग्रेसी नेता की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

जगदलपुर (विसं)। बस्तर के उग्रवाद प्रभावित नारायणपुर जिला मुख्यालय पर कल रात एक कांग्रेसी नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद मृतक के परिवार वाले जहां दहशत में है, वहीं पुलिस जांच में जुटी हुई है किंतु आरोपियों के बारे में किसी प्रकार का सुराग अभी तक नहीं मिल पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नारायणपुर के कांग्रेसी नेता विक्रम बैस कल रात अपनी दुकान बंद कर जब घर लौट रहे थे तब हमलावरों ने उन्हें अपना निशाना बनाया। सूत्रों का कहना है कि रात के लगभग 10ः00 बजे बखरू पारा में हमलावरों ने सबसे पहले गली चलाई। रात के 10ः00 बजे घटित इस घटना में सबसे पहले गोली मृतक के पेट पर मारी गई जिसके बाद वह मोटर साइकिल से गिर पड़ा। मोटर साइकिल से गिरते ही हमलावरों ने मृतक के सिर पर गोली मार दी और भाग निकले। सूत्रों का यह भी कहना है कि छः मोटर साइकिलों द्वारा रात में मृतक की रेकी तक की गई थी। इस हत्या को लेकर नारायणपुर कस्बे में अफवाहों का बाजार गर्म है। व्यापारियों के मध्य यह आम चर्चा है कि यह सुपारी किलिंग का मामला है। संभवत रंजिश बस किसी ने विक्रम बैस की हत्या सुपारी देकर कराई होगी। ज्ञात हो कि कुछ दिनों पहले विक्रम बैस के घर में नक्सलवादियों ने एक पत्र भेज कर उसे ट्रक परिवहन के कार्य से पृथक रहने की चेतावनी भी दी थी। बहरहाल नारायणपुर में सुपारी किलिंग की यह पहली घटना है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही हत्यारे पकड़े जाएंगे।

स्कूलों में होगा शीघ्र ही समर कैम्प का आयोजन, सीमांकन में तेजी लाने के दिए निर्देश : कलेक्टर

कलेक्टर ने की विभिन्न विभागों के कार्यो की समीक्षा, समय सीमा के भीतर कार्य करने के दिए निर्देश

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर के एल चौहान ने सँयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में समय सीमा के तहत विभागीय कार्यो की काम काज की समीक्षा किए. जिसमें उन्होनें केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित जानकारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। उन्होने कहा की अब अधिकारी कर्मचारी चुनावी मोड से बाहर आकर अपने अपने विभागों में चल रहे योजनाओं में तेजी लाएं। श्री चौहान ने शासन से प्राप्त निर्देश पर सभी स्कूलों में समर कैंप लगाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए है इसके लिए शीघ्र ही 2 दिनों में विस्तृत रोड मैप बनाने कहा गया है। इसके साथ ही कलेक्टर ने आज सीमांकन के कार्य में तेजी लाने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए है। उन्होंने दो टूक कहा की राजस्व संबधित शिकायते बहुत मिलती है अत:सभी राजस्व अधिकारी विशेष अभियान चलाकर प्राप्त आवेदनो का शत प्रतिशत निराकरण समय सीमा के भीतर करे। साथ ही बैठक में आज जिले के कुछ गांवों में चिन्हाकित ग्रीष्मकालीन पेयजल की समस्या के बारे में भी जानकारी ली गई साथ ही निस्तारी हेतु पानी उपलब्ध कराने के निर्देश संबधित अधिकारी को दिए है। उन्होनें आज विशेष रूप से पीएम आवास योजना के संबंध में जानकारी लेते हुए हितग्राहियों को इस योजना से शत प्रतिशत लाभान्वित करने के लिए पूरी संवेदनशीलता से कार्य करने के लिए कहा। इसके साथ विभिन्न विभागों के चल रहे निमार्ण निकायों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने काम में तेजी लाने के निर्देश संबधित अधिकारीयों को दिए है। उक्त बैठक में विभागवार लंबित आवेदनों के बारे में भी विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों के प्रमुखों से कहा कि आप सभी आवेदन जो आम जनता के द्वारा कलेक्टर शिकायत शाखा, सीपी ग्राम्स, जन शिकायत पीजीएन एवं लोक सेवा गारंटी आदि के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। उनका निराकरण कर जिला कार्यालय को शीघ्र सूचित करें। सभी आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय सीमा के भीतर ही हो जाना चाहिए साथ ही राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों एवं योजनाओं पर विशेष ध्यान देने कहा हैं। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ दिव्या अग्रवाल, सहित सभी सँयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर समस्त विभागों के जिला प्रमुख सभी सीईओ एवं सीएमओ उपस्थित रहें।

एक लाख के इनामी सहित पांच माओवादी गिरफ्तार

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। माओवादियों के मूवमेंट की सूचना पर निकले जवानों ने महिला नक्सली सहित पांच माओवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक पर एक लाख का इनाम घोषित था। पकड़े गये नक्सली मंलागेर एरिया कमेटी के अंतर्गत रेवाली पंचायत एवं बुरगुम पंचायत में सीएनएम व मिलिशिया सदस्य के पद पर कार्य कर रहे थे। दरअसल, नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत 14 मई को अरनपुर क्षेत्र में मलांगेर एरिया कमेटी के माओवादियों के मूवमेंट की आसूचना पुलिस को मिली थी। डीआरजी दंतेवाड़ा, थाना अरनपुर व सीआरपीएफ111 वीं वाहिनी यंग प्लाटून की संयुक्त पार्टी अरनपुर समेली मार्ग में कार्रवाई करते हुए 1 महिला सहित 5 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा।

पकड़े गये संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ करने पर अपना नाम क्रमश 1. मंगली मरकाम उर्फ मंगड़ी पिता स्व. पोल्ला मरकाम उम्र लगभग 25 वर्ष निवासी बुरगुम पेरमापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा 2.आयता मरकाम पिता हुंगा मरकाम उम्र लगभग 33 वर्ष निवासी बुरगुम पेरमापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा 3. विज्जा राम नुप्पो पिता माड़का उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी रेवाली भीमापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा 4. जोगा ताती पिता गंगा ताती उम्र लगभग 20 वर्ष निवासी बुरगुम पेरमापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा एवं 5. देवा राम नुप्पो पिता हुंगा नुप्पो उम्र लगभग 34 वर्ष निवासी रेवाली भीमापारा थाना अरनपुर जिला दन्तेवाड़ा बताये। इनके खिलाफ थाना अरनपुर में अप. क्र. 03/2020 धारा 147, 148, 149, 364, 294, 323, 506, 302 भादवि, 25 आर्म्स एक्ट, 4, 5 विपअधि एवं 13, 23, 38(2), 39(2) विविक्रिनि अधि. 1967 एवं अप0 क्र0 05/2021 धारा 147, 148, 149, 307 भादवि,25, 27आर्म्स एक्ट,4,5 विपअधि एवं 13(1), 38(2), 39(2) विविक्रिनि अधि. 1967 के तहत् अपराध पंजीबद्ध होने से विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उपरोक्त माओवादियों की गिरफ्तारी में डीआरजी दंतेवाड़ा,थाना अरनपुर एवं 111वी वाहिनी सीआरपीएफ यंग प्लाटून का विशेष योगदान रहा।

चुनाव सम्पन्न होने के साथ ही कार्यालयीन रूटीन कार्य पर ध्यान देवें अधिकारी : कलेक्टर

जनसमस्या एवं जनशिकायत के लंबित प्रकरण तत्परतापूर्वक निपटायें

दुर्ग (आरएनएस)। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि जिले में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से विभिन्न खेलों के सब-जुनियर एवं जुनियर वर्ग के प्रतिभाशाली बालक-बालिकाओं को बीएसपी के खेल प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएगी। ताकि वे आने वाले दिनों में अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने इस हेतु जिला खेल अधिकारी को बेहतर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित अधिकारियों की बैठक में जनसमस्याओं एवं जन शिकायतों के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने लंबित प्रकरणों को त्वरित रूप से निराकरण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि चुनाव सम्पन्न होने के साथ ही कार्यालयीन रूटीन कार्य पर अधिकारी ध्यान देवें। उन्होंने गर्मी के मौसम में जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या न हो, इसे ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को पानी सप्लाई हेतु समुचित प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है। कलेक्टर ने कहा कि अभियान चलाकर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जाए। इसी प्रकार राजस्व न्यायालय के प्रकरण जल्द से जल्द निराकृत किया जाए। किसान किताब एन्ट्री, आधार सींडिंग, डिजीटल हस्ताक्षर, नक्शा बटांकन आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर ने कहा कि जिला अस्पताल में वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य जांच विशेषज्ञ चिकित्सों के माध्यम से कराने शिविर आयोजित किया जाए। उन्होंने इस हेतु सिविल सर्जन को आवश्यक पहल करने के निर्देश दिये। जिले में बायोमेडिकल वेस्ट पर कार्यशाला आयोजित करने और मानसून के दौरान मौसमी बीमारी की रोकथाम हेतु चिकित्सालयों में समुचित प्रबंध करने सीएमएचओ को निर्देशित किया है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जिले के सहकारी समितियों एवं पंजीकृत दुकानों में खरीफ फसल बीज व खाद भण्डारण एवं वितरण की जानकारी भी ली।

सिद्धार्थ जैन सोनू का निधन

दुर्ग (विश्व परिवार)। अत्यंत दुख के साथ यह समाचार देना पड़ रहा है सिद्धार्थ जैन सोनू पिता श्री विजय कुमार जैन फर्म- बाबूलाल संतोष कुमार (जय श्री मिल परिवार दुर्ग) का आकस्मिक निधन 14-5-2024 दिन मंगलवार को हो गया है जिनकी अंतिम यात्रा निज निवास गवलीपारा दुर्ग से हरनाबंधा मुक्तिधाम ले जाई गई जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया।

विधायक देवेंद्र यादव ने रायबरेली लोकसभा क्षेत्र में संभाली कमान

भिलाई (आरएनएस)। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार की कमान संभाल लिया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने उन्हें ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दी है। यादव सांसद प्रत्याशी राहुल गांधी के पक्ष में सघन जनसंपर्क कर पसीना बहा रहे हैं।

जनसम्पर्क और नुक्कड़ सभाओं में बहा रहे हैं पसीना

विधायक यादव चुनाव प्रबंधन की दृष्टिकोण से कार्यकर्ताओं की ब्लॉक स्तरीय बैठक ले रहे हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में नुक्कड़ सभाएं ले रहे हैं। सभाओं में जनता की भीड़ के रूप में पूरा समर्थन भी मिल रहा है। लोग स्वफुर्त होकर विधायक यादव के साथ डोर टू डोर जनसंपर्क कर रहे हैं और राहुल गांधी को जिताकर संसद भेजने और केंद्र की मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करने की अपील कर रहे हैं। मंगलवार को विधायक ने ऊंचाहार, जगतपुर और साहगौरा ब्लॉक में सघन जनसंपर्क किया। विधायक देवेंद्र यादव ने बताया कि उत्तर प्रदेश में पांचवें चरण का 20 मई को मतदान होना है। इस बार उत्तर प्रदेश की जनता ने बदलाव का पूरा मन बना लिया है। लोग महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से त्रस्त है और इसे लेकर बदलाव चाहती है। पूरे देश में बदलाव का माहौल है।

हमारे नेताओं की हत्या पर भाजपा चुप्पी साधे हुए है : दीपक बैज

रायपुर (आरएनएस)। पत्रकारों से चर्चा करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने नारायणपुर में कांग्रेस नेता की हत्या, बीजापुर में नक्सल मुठभेड़ तथा बीजापुर में बम विस्फोट में बच्चों की मौत पर भी सवाल खड़ा किया। अहाता आबंटन में भ्रष्टाचार पर भी उन्होंने सवाल खड़ा किया, इसके साथ ही दावा किया कि प्रदेश के तीन विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव होना तय है।

नारायणपुर जिले में कांग्रेस के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विक्रम बैस की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। कांग्रेस पार्टी इस घटना की कड़ी निंदा करती है। पूरी कांग्रेस पार्टी अपने मृत नेता के परिजनों के साथ खड़ी है। इसके पहले भी दंतेवाड़ा में हमारे नेता जोगा पोयाम की भी हत्या हुई थी। जब भाजपा नेताओं की हत्या होती है तब भाजपा उसे टार्गेट कीलिंग बताती है, हमारे नेताओं की हत्या हो रही है इस पर सरकार चुप्पी साधे हुये है।

जब से राज्य में भाजपा की सरकार बनी है राज्य में आपराधिक घटनायें बढ़ गयी। अपराधी बेलगाम हो गये है। राजधानी से लेकर सरगुजा, बस्तर तक कोई सुरक्षित नहीं है। भाजपा सरकार के राज में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बीजापुर जिले के पीडिया में हुई नक्सली सुरक्षा बलो के मुठभेड़ पर गांव वालों ने सवाल खड़ा किया है। गांव वालों का कहना है कि इस घटना में निर्दोष मारे गये है। इस घटना में एक गूंगे युवक सन्नो की भी हत्या हुई है। गांव वालों के सवालों के बाद कांग्रेस पार्टी ने इस घटना की जांच का निर्णय लिया है। वरिष्ठ नेता पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष संतराम नेताम के नेतृत्व में एक जांच कमेटी का गठन किया गया है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नदाब उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि आमासिवनी वितरण केन्द्र के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित 33/11 के.व्ही. लाईन में मानसून पूर्व अतिआवश्यक सुधार कार्य किये जायेंगें इस हेतु सुबह 09.00 से शाम 05.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण उपकेन्द्र से निकलने वाले समस्त फीडर एवं दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	उपकेन्द्र का नाम	फिडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र/ग्राम
1	15.05.2024	33/11 के0व्ही0 छपोरा सबस्टेशन	11 के.व्ही सेमरिया	सेमरिया बस्ती, अविनाश गार्डन सिटी एवं समीपस्थ क्षेत्र।
2	17.05.2024	33/11 के0व्ही0 छपोरा सबस्टेशन	11 के.व्ही सुमीत	सुमीत कालोनी, ग्राम टेकारी।
3	20.05.2024	33/11 के0व्ही0 छपोरा सबस्टेशन	11 के.व्ही. सेमरिया	ग्राम- सेमरिया एवं समीपस्थ क्षेत्र।
4	22.05.2024	33/11 के0व्ही0 आमासिवनी सबस्टेशन	33/11 के0व्ही0 आमासिवनी सबस्टेशन एवं 11 के.व्ही. विधान नगर	बरौदा, नरदहा, सकरी, विधान नगर, गैलेक्सी एवं ऐजी कालोनी के समीपस्थ क्षेत्र।
5	24.05.2024	33/11 के0व्ही0 छपोरा सबस्टेशन	11 के.व्ही. टेकारी	दुर्गा नगर, भुरकोनी एवं समीपस्थ क्षेत्र।
6	28.05.2024	33/11 के0व्ही0 धनसुली सबस्टेशन	11 के.व्ही. इन्डण्स्ट्रीयल	धनसुली इनडण्स्ट्रीयल एरिया एवं समीपस्थ क्षेत्र।
7	30.05.2024	33/11 के0व्ही0 धनसुली सबस्टेशन	11 के.व्ही. नरदहा हा.बोर्ड	नरदहा हाउसिंग बोर्ड एवं समीपस्थ क्षेत्र।
8	03.06.2024	33/11 के0व्ही0 मुंनगी सबस्टेशन	11 के.व्ही. मुंनगी धनसुली	धनसुली एवं पचेडा खदान।
9	05.06.2024	33/11 के0व्ही0 धनसुली सबस्टेशन	33/11 के0व्ही0 धनसुली सबस्टेशन एवं 11 के.व्ही. धनसुली हा.बोर्ड	धनसुली बस्ती, धनसुली हाउसिंग बोर्ड इनडण्स्ट्रीयल एरिया एवं समीपस्थ क्षेत्र।
10	07.06.2024	33/11 के0व्ही0 आमासिवनी सबस्टेशन	11 के.व्ही. बरौदा	बरौदा बस्ती, वालफोर्ट कालोनी एवं समीपस्थ क्षेत्र।
11	11.06.2024	33/11 के0व्ही0 आमासिवनी सबस्टेशन	11 के.व्ही. ऐजी.आडिट	गैलेक्सी आई-लैण्ड, एजी कालोनी, अविनाश एलाईट होम एवं समीपस्थ क्षेत्र।

Credible Chhattisgarh
विश्वसनीय छत्तीसगढ़
" विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं0 1912 पर दर्ज कराएें। "

असुविधा के लिए खेद है

" विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध हैं कृपया इससे बचे"
"स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए"

(शशांक श्रीवास्तव)
कर्म0संख्या 4401195
कार्यपालन यंत्री (संचा0/संधा0)संभाग
छ0स्टे0पॉ0डि0कं0लि0, रायपुर

खारून नदी में नहाने उतरा युवक बहा, तीन घंटे बाद मिला शव

रायपुर (आरएनएस)। रायपुर के महादेव घाट में पिकनिक मनाने आये एक युवक की नदी में डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने युवक के शव को तीन घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक का नाम गौरव वर्मा पिता शैलेन्द्र वर्मा 17 वर्ष है जो कि खल्लारी चौक रायपुरा का रहने वाला था। मंगलवार को गौरव अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने खारुन नदी एनीकट गये थे जहां पैर फिसलने से गौरव एनीकट में जा गिरा। गौरव के साथ गये दोस्तों ने काफी प्रयास किया पर जब गौरव का पता नही चला तो इसकी सूचना 112 के माध्यम से पुलिस को दी गई। सूचना पर थाना पुरानीबस्ती पुलिस, 112 डीडी नगर और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। और लगभग 3 घंटे लगातार ढूंढने के बाद गौरव वर्मा का शव एनीकट से निकाला गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./11374/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2024
रायपुर, दिनांक 11-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11374
वार्ड का नाम-11- कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 11 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR330G00103** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **IFTEKHAR HUSSAIN RAZVI** पिता/पति श्री/श्रीमती **ALTAF HUSSAIN RAZVI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MADHURI KARARA** पिता/पति श्री/श्रीमती **ASHOK KARARA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./11420/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2024
रायपुर दिनांक : 14-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11420
वार्ड का नाम- 63 - शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि **63** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR455R00018** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GULABA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **P.P. MISHRA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1) DINESH MISHRA 2) GAYATRI MISHRA** पिता/पति श्री/श्रीमती **1) S/O LATE PARMESHWAR MISHRA 2) W/O DINESH MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./11460/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 14-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11460
वार्ड का नाम- 47 - सिविल लाईन वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR342F0552A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NISHA THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KUNDAN THAKUR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **निशा ठाकुर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **कुंदन सिंह ठाकुर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मलमा बिक्रीनामा, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./11465/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 14-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11465
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR650J00274** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DEVKI BAI YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. BISRU RAM YADAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **गंगा यादव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **राजू यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, मृत्यु प्रमाण पत्र, सहमति पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./11464/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2024
रायपुर, दिनांक 14-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11464
वार्ड का नाम- 57 - पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR448E00030** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **FAUJIYA NAHID** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MUSHTAK AHAMED** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **स्वालेहा निसा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सैय्यद मुमताज अली** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (4)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /11402/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 13-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11402
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568D0014A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANAND PRAKASH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAVAHAR LAL SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SNEH PRABHA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ISHWARI PRASAD SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /11433/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 14-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11433
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C01836** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAXMI SONKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARISH KUMAR SONKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAHUL SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PURUSHOTTAM SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, बुधवार 15 मई 2024

सालभर बाद फिर से खुली रहस्यमय मंड़ीप खोल गुफा, राजपरिवार के सदस्यों ने की पूजा-अर्चना

सड़क अतरिया। साल भर इंतजार के बाद लोग सोमवार को ऐतिहासिक मंड़ीप खोल गुफा देख पाए। सोमवार की सुबह से यहां लोगों का पहुंचना शुरु हो गया। राज परिवार के सदस्यों ने अपने पूर्वजों की परंपरा निभाते हुए कुल देवता का स्मरण कर गुफा का द्वार खोला तथा गुफा के अंदर स्थित प्राचीन शिवलिंग सहित अन्य देवी देवताओं का पूजा अर्चना किया। शनिवार को कलेक्टर चन्द्रकांत वर्मा, एसडीएम रेणुका रात्रे, जनपद सीईओ जेएस राजपुत सहित प्रशासनिक अमला ने दुर्गम रास्ता से होकर मौके पर पहुंच कर जायजा लिया था। विभिन्न विभागों को अलग अलग जिम्मेदारी सौंपी थी। पर्यटकों के लिए मार्ग पहचान, आवागमन में सुगमता तथा गुफा में प्रवेश के लिए व्यवस्था बनाया गया है।

पंचायतों को जिम्मेदारी

ऐतिहासिक मंड़ीप खोल गुफा का दर्शन करने पहुंचे लोगों को आवश्यक सुविधा मुहैया कराने के लिए गुफा के निकटवर्ती पंचायतों को विभाग द्वारा दिशा निर्देशित किया गया है। ग्राम पंचायत ठाकुरटोला, गर्रा, अचानकपुर, सिंगारपुर तथा देवरचा पंचायत सैलानियों को आवश्यक सुविधा पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा ताकि मार्ग तथा गुफा आने वाले लोगों को किसी परेशानी का सामना करना न पड़े।

पर्यावरण सुरक्षा की अपील

ठाकुरटोला राज परिवार के सदस्य लाल रोहित पुलस्त्य ने पर्यटकों से अपील किया है कि गुफा घने जंगल के मध्य स्थित है जिससे यहां सावधानी पूर्वक पहुंचे।

देर से ही सही लेकिन शहर को जाम से निजात दिलाने प्रशासन जागा

कार्रवाई शुरू, फ्लाईओवर के नीचे बनेगी पार्किंग, सड़क पर रखा सामान तो होगी जब्ती की कार्रवाई, अवैध कब्जे भी हटेंगे

राजनांदगांव। लगातार खबर प्रकाशन के बाद शहर के भीतरी इलाकों में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर करने प्रशासन ने अब सक्रियता बढ़ाई है। प्रशासन, पुलिस और निगम की टीम ने दो दिनों तक इन हिस्सों में व्यापारियों को समझाइश दी है। इसके बाद अब सीधे एक्शन की तैयारी है। इसके अलावा पार्किंग के लिए फिर से फ्लाईओवर के नीचे हिस्से का इस्तेमाल किया जाएगा। ज्ञात हो कि शहर के भीतरी हिस्से, बाजार व व्यवसायिक हिस्से में ट्रैफिक का दबाव बढ़ता जा रहा है। इससे रोज जाम की स्थिति बन रही है। बड़ी वजह दुकानदारों का सामान सड़क पर बिखेरा जाना है। दो दिनों तक अफसरों की टीम ने हर हिस्से में पैदल भ्रमण किया, दुकानदारों को समझाइश दी। इसके बाद अब कार्रवाई की तैयारी है। निगम आयुक्त अभिषेक गुप्ता ने बताया कि समझाइश के बाद भी सड़क पर सामान फैलाने वालों का सामान जब्त किया है। ऐसे दुकानदारों के सामानों को राजसात करने की तैयारी है। समझाइश देकर सभी को सहयोग करने कहा गया है। बावजूद इसके मनमानी देखी गई तो सीधी कार्रवाई होगी। इसके लिए पुलिस व प्रशासन की टीम संयुक्त रुप से बाजार क्षेत्र में निगरानी करेगी। आयुक्त ने बताया कि वाहनों की पार्किंग के लिए फ्लाईओवर के नीचे हिस्से को चयनित किया जा रहा है। पूर्व में विवाद के बाद यहां पार्किंग का प्लान बदला गया था, लेकिन अब दोबारा यहां पार्किंग की शुरुआत की जाएगी।

दुकानों के सामने करा रहे वाहनों की पार्किंग

बाजार वाले हिस्से में सबसे बड़ी समस्या पार्किंग की है। इसके चलते वाहन बेतरतीब खड़े हो रहे हैं। वहीं दुकानदार भी अपनी दुकानों कानों के सामने वाहनों को खड़ी करने की छूट दे रहे हैं। पुलिस ने जय स्तंभ चौक और म्युनिसिपल स्कूल मैदान के पास पार्किंग सुनिश्चित की है। लेकिन यह भी बढ़ते दबाव में नाकाफी साबित हो रहा है। जिसके बाद अब फ्लाईओवर के निचले हिस्से में पार्किंग की तैयारी है। जल्द ही बाजार क्षेत्र में मालवाहकों की एंट्री का समय भी तय हो जाएगा। इसके लिए पुलिस प्लान तैयार कर रही है। इसके बाद व्यापारी निर्धारित समय में ही मालवाहकों की एंट्री करा लोडिंग-अनलोडिंग कर सकेंगे। इसके लिए सुबह 10 से पहले और रात में 9 बजे के बाद समय निर्धारित किया जा सकता है।

सड़क किनारे खड़े हो रहे भारी वाहन, बढ़ रहे हादसे

शहर के भीतरी इलाकों में तो पुलिस ने सख्ती शुरु कर दी है। लेकिन सर्विस रोड से लेकर हाइवे पर जगह-जगह खड़े हो रहे भारी वाहनों पर एक्शन नहीं हो रहा है। इसके चलते हादसों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। रामदरबार चौक से लेकर सोमनी तक हाइवे किनारे ट्रक चालक मनमाने ढंग से वाहन खड़ी कर रहे हैं। यही स्थिति फरहद चौक से लेकर डोंगरगांव तक बनी हुई है। इन सड़कों पर पहले ही ट्रैफिक का दबाव अधिक है।

ट्रांसपोर्ट नगर बना, फिर भी शिफ्टिंग करने तैयार नहीं

शहर के गंज चौक में अघोषित ट्रांसपोर्ट नगर ने भी यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रखा है। नगर निगम ने पेंड्री में ट्रांसपोर्ट नगर बनाया। जहां ट्रक मालिकों को भूखंड भी आवंटित किया गया। सभी ट्रकों को यहीं खड़ा किया जाना है। लेकिन इसके बाद भी गंज चौक दिन और रात तक ट्रकें खड़ी में पूरे दिन हो रही है। । ट्रक मालिकों को ट्रांसपोर्ट नगर में ही वाहन खड़ी करने की शर्त पर भूखंड आवंटित किया गया है। पर मनमानी जारी है।

देर से जागा प्रशासन, ट्रेफिक अब तक सिर्फ वसूली में थी मस्त -गौरतलब है कि राजनांदगांव में यातायात विभाग सालों से सिर्फ आउटर के क्षेत्रों में वसूली में व्यस्त रहता है । लगातार खबर प्रकाशन के बाद अब पुलिस व् जिला प्रशासन की नींद खुली है । अब पुलिस प्रशासन और नगर निगम द्वारा आए दिन लगने वाले इस जाम की स्थिति से निपटने के लिए संयुक्त कार्य योजना बनाने सर्वे किया गया।

टूटे नाली और गंदगी की समस्या से त्रस्त मोहल्लेवासियों ने नाली निर्माण के लिए सौंपा ज्ञापन, चांपा के वार्ड क्रमांक 25 का है मामला

चांपा। स्थानीय नगरपालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 25 के टॉवर गली मंझली तालाब के रहवासी कई सालों से नाली की समस्या से परेशान हैं, इस संबंध में 2019 में लोकसभा चुनाव से पहले से आवेदन दिया गया था, और निर्माण कार्य नहीं होने पर लोकसभा चुनाव बहिष्कार की बात कही गई थी, जिस पर प्रशासन ने मौखिक आश्वासन देकर लोकसभा चुनाव का बहिष्कार न करने के लिए मना लिया और कहा गया कि चुनाव खत्म होते ही काम शुरू करा दिया जावेगा। लेकिन 5 साल बीत जाने के बाद भी आज तक न तो टूटी हुई नाली बनी और न ही सड़क बनी। जरा सा भी पानी गिरता है तो गली में 3-4 फीट पानी भर जाता है और मोहल्लेवासियों के घर में भी पानी भर जाता है, बरसात में तो समस्या और भी बढ़ जाती है। जब मोहल्लेवासियों को रात रात भर जागकर घरों में भरे पानी को खाली करना पड़ता है, ऊपर से सांप, बिच्छू का भी डर लगातार बना रहता है। अभी कुछ दिनों से नाली और रोड भी टूटकर क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे चलना और गाड़ियों का आना जाना कठिन हो गया है। परेशान मोहल्लेवासियों ने आज मुख्य नगरपालिका अधिकारी और नगरपालिका अध्यक्ष से मिलकर समस्या से रूबरू कराने पहुंचे मगर मुख्य नगरपालिका अधिकारी नही मिले कहीं बाहर होना बताया गया। इसके बाद नपाध्यक्ष जय थवाईत से मिलकर वार्ड में व्याप्त समस्या को बताया गया और ज्ञापन के माध्यम से शीघ्र ही निर्माण कराने निवेदन किया गया। जिस पर उन्होंने कहा कि मैं इंजीनियर से सर्वे करा लेता हूं और निर्माण कार्य 4 जून के बाद शुरू कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर उपेंद्र धर दीवान, सुरेश पांडेय, सी पी वैष्णव, मूलचन्द गुप्ता, राजू यादव, उत्तम शर्मा, विजय पांडेय, जय गोपाल सोनी, दयाराम थवाईत एवं अन्य मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

बंधक 18 मजदूरों को छुड़ाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा गठित स्पेशल टीम रवाना हुई

जगदलपुर। जिले के नक्सल प्रभावित कोलेंग और मुंडागढ़ के बंधक 18 मजदूरों को छुड़ाने के लिए जिला प्रशासन ने स्पेशल टीम जिसमें तहसीलदार, लेबर इंस्पेक्टर, पुलिस के साथ दो महिलाएं भी शामिल है, का गठन कर रवाना कर दिया गया है। टीम में शामिल सदस्यों में तहसीलदार बास्तानार आशीष साहू, लेबर इंस्पेक्टर नमिता जॉन, दरभा थाना से धनुष जारी सिंह (एएसआई) और रेखा सिंह (आरक्षक) हैं, जिन्हे अन्य राज्यों में फंसे लोगों के रेस्क्यू करने की विशेषज्ञ है। टीम कर्नाटक के सिनदुर्गा जिले में फंसे 13 और तेलंगाना के हैदराबाद में फंसे 05 मजदूरों को ठेकेदारों के चुंगल से छुड़ाकर वापस बस्तर लेकर आएगी। डिप्टी कलेक्टर सुनील शर्मा ने बताया कि बस्तर के कोलेंग और मुंडागढ के मजदूर कर्नाटक के सिनदुर्गा और तेलंगाना के हैराबाद में अलग-अलग जगह फंसे हुए हैं। इसकी जानकारी के बाद एक टीम तैयार कर रवाना कर दी गई है।

अक्षरा बारहवीं में मिले 82 अंक, पुलिस अधीक्षक टेबलेट भेंटकर किया सम्मान

बीजापुर। छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में कक्षा बारहवी की छात्रा कुमारी अक्षरा चौहान ने 82.80त्न अंक के साथ जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया छात्रा बीजापुर में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में कामर्स की छात्रा है । छात्रा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता एवं शिक्षको को दिया। पिता राकेश चौहान पुलिस विभाग में प्रधान आरक्षक के पद पर कार्यरत है, पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने छात्रा की इस सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर भेट स्वरूप टेबलेट प्रदान किया , इस दौरान अतरिक्त पुलिस अधीक्षक बीजापुर चंद्रकांत गवर्ना, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय तुलसी राम लेकम, उप पुलिस अधीक्षक गरिमा दादर उपस्तिथ थे।

रेजा मजदूरी दर बढाये जाने को लेकर मंडी कार्य ठप्प

भाटापारा। अन्नपूर्णा नगरी कृषि उपज मंडी मे ग्रीष्मकालीन फसल का बम्फर आवक तेज है, परंतु किसान के माथे पर चिंता व परेशानी की लकीरें खींच गई है। गौरतलब है कि भाटापारा कृषि उपज मंडी की लगभग 200 से अधिक रेजा हर दो साल मे बढ़ने वाली मजदूरी दर और अधिक बढ़ाये जाने की मांग को लेकर शानिवार से हड़ताल मे चली गई है।

भराई व पाला का कार्य रुका

गौरतलब है रेजाओं के हड़ताल मे चले जाने के कारण भराई व पाला का कार्य रुक गया। खुले आसमान मे कृषि उपज का फसल पड़े होने के कारण किसान मंडी प्रशासन के सहयोग से स्वफूर्त होकर भर्राई का कार्य किये है।

वर्तमान मे रेजाओं का मजदूरी दर 0.90 पैसा

गौरतलब है कि रेजाओं की मजदूरी दर हर दो साल मे 10 प्रतिशत बढाया जाना निर्धारित है व वर्तमान मे भराई प्रति कट्टा .90 पैसा व पाला 0.96 पैसा प्रति कट्टा निर्धारित है, परंतु रेजा वर्तमान मे 1.50 रुपये प्रति कट्टा बढ़ाये जाने के मांग पर अडे हुये है। इसी बात पर शानिवार से रेजा हड़ताल पर चले गये जिसके कारण हजारों कट्टा खुले आसमान पर पड़े रहे।

बीच के रास्ते निकालने मंडी सभा मे रखी गई बैठक

ग्रीष्मकालीन फसल के बम्फर आवक के गम्भीरता को समझते हुये मंडी प्रशासन ने रेजा मंडी अभिकर्ता व्यपारियो का बैठक सोमवार को रखी। जिसमें मुख्य रुप से भारसाधक अधिकारी बलवन्त वर्मा मंडी सचिव शत्रुहन लाल वर्मा तहसीलदार चित्रलेखा चंद्रवंशी राईस मिल एसोसिएशन अध्यक्ष गोपाल अग्रवाल दाल मिल प्रतिनिधि रुपेश माखीजा नरेन्द्र पुंशी पोहा संघ गुरुमुख गंगवानी अजय मंधान अभिकर्ता प्रतिनिधि राजेश तिवारी संदीप मल अमन छबड़ा सत्तु पटेल सहित आदि लोगों ने चर्चा कर बीच का समाधान निकालना का प्रयास किया, परंतु बीच का रास्ता नही निकल पाने से मंडी के समक्ष किसानों के कृषि उपज विक्रय सुचारू रुप से नही हो पाने से गम्भीर संकट खड़ा हो गया है एवं किसान भरपूर कृषि उपज मंडी मे लेकर आ रहे है।

रेजा संघ-रेजा संघ अपना 1.50 प्रति कट्टा के मांग पर अडिग है जब तक मांग पूरा नही होगा रेजा संघ का हडताल जारी रहेगा

शत्रुहन वर्मा...मंडी सचिव

रेजा संघ द्वारा मजदूरी दर .90 पैसे से बढाकर 1.50 पैसे के मांग पर अड़ी जिससे व्यपारी सहमत नही है मंडी प्रशासन द्वारा बीच का रास्ता निकालने का प्रयास किया जा रहा है वहीं किसान वर्तमान स्थिति मे बिक्री कर बोरा भराई कर सकते है।

तहसीलदार .. चित्रलेखा चन्द्रवंशी

रेजाओं के मजदूरी दर को लेकर हडताल पर चले जाने के कारण आम सहमति हेतु मंडी सभा कक्ष मे बैठक रखा गया जिसमें व्यापारी निर्धारित दर से 12 प्रतिशत मजदूरी दर बढ़ाये जाने हेतु सहमत हुये परंतु रेजा संघ वर्तमान समय मे 65 प्रतिशत मजदूरी दर बढाये जाने के मांग पर अडिग जिसके कारण बैठक मे आम सहमति नही बन पायी।

भव्य कलश यात्रा से कलेक्ट्रेट मार्ग हुआ भक्तिमय

बीटीआई रोड स्थित भरत लीला मेंशन में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

महासमुंद। श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। स्थानीय कलेक्ट्रेट रोड स्थित भरत लीला मेंशन में लीलादेवी चंद्राकर, आलोक चंद्राकर-सुष्मिता चंद्राकर परिवार द्वारा भक्तिमय श्रीमद भागवत ज्ञानामृत कथा का आयोजन 12 से 20 मई तक किया जा रहा है। जिसमें शुभारंभ अवसर पर कलश यात्रा में माताएं-बहनें पीले परिधान में बड़ी संख्या में शामिल हुई। सिर पर कलश धारण कर बीटीआई रोड में भगवान बाल-गोपाल का शोभायात्रा निकली। इस दौरान आकर्षक राधा-कृष्ण, शिव-पार्वती के वेशभूषा में सजे युवतियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर कथा वाचक आचार्य नरेंद्र नयन शास्त्री (चाय वाले बाबा) सिलयारी धाम ने कहा कि कलश यात्रा में तीनों देवताओं ब्रह्मा, विष्णु, और महेश के साथ-साथ 33 कोटि देवी-देवता कलश में विराजमान होते हैं। कलश को महिलाओं के सिर पर रखकर भ्रमण करने से धरा सिद्ध होती है और जो कलश को धारण करता है उसकी आत्मा भी पवित्र हो जाती है। कलश यात्रा कथा स्थल से शुरू होकर कलेक्ट्रेट रोड से होते हुए वापस कथा स्थल पहुंची। इस दौरान भगवान के जयकारे से पूरा मार्ग भक्तिमय हो गया।

वरिष्ठ नर्स जेतलिन तिग्गा तथा चैमन्ति का किया गया सम्मान

एनएमडीसी मुख्य अपोलो हॉस्पिटल बचेली में मनाया गया नर्सेस डे

बचेली। एनएमडीसी मुख्य अपोलो हॉस्पिटल बचेली में 12 मई को मातृ दिवस के अवसर पर अपोलो हॉस्पिटल के प्रांगण में महिला स्टाफ के द्वारा भव्य आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ नर्स जेतलिन तिग्गा तथा चैमन्ति को सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम का प्रारंभ केक काट कर किया गया। इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डा. अरविन्द पाड़े ने अपने शब्दों में माँ के प्रति अपना भाव लोगों के सामने प्रस्तुत किया। जिसके बाद सविता कुरैसी, जया, भाग्या, रंजुलता, शीला विश्वास के द्वारा भी अपने-अपने भाव लोगों के सामने प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए निशा साहा के द्वारा गाना गया गया तथा सभी उपस्थित स्टाफ को उपहार स्वरुप भेंट किया गया। इस भव्य आयोजन के लिए सभी को बधाई दी गई तथा सभी अतिथियों व उपस्थित कर्मकारियों के लिये दोपहर का भोजन की भी व्यवस्था की गई थी। अंत में भाग्या के द्वारा उपस्थित सभी स्टाफ को धन्यवाद दिया गया। इस सफल आयोजन का मंच संचालन रंजुलता तथा भाग्या के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से डा. अरविन्द पांडे, डा. श्यामली राय, डा. समिता, जेतलिन तिग्गा, चैमन्ति, सीमा यादव, शीला बिस्वास, शीना, गंगा, नीलमणि, अनिता,

बचेली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी मनाया गया नर्सेस डे

बचेली। फ्लोरेंश नाइटेंगल के जन्म दिवस के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय नर्सेस डे के रूप में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बचेली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सभी स्टाफ नर्सों व मैदानी आर एच ओ (नर्सों) द्वारा नर्सेस डे मनाया गया। सर्वप्रथम फ्लोरेंस नाइटिंगेल के छाया चित्र के समक्ष सभी नर्सों ने मोमबत्ती जलाकर उन्हें याद किया। तत्पश्चात हिना टंडन सीएचओ ने सभी नर्सों को अपने नर्सिंग सेवा के प्रति प्रतिज्ञा दिलाई। फिर केक काटकर नर्स दिवस की शुभकामनाएं सभी ने एक दूसरे को दी। इस अवसर

पर स्टाफ नर्स संकरी मित्रा ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जीवन पर प्रकाश डाला फिर आरएचओ शकुन शेंडे ने अपने कविता व गीत के द्वारा नर्सों के सेवा कार्य को बखूबी दर्शाया तत्पश्चात रंगारंग कार्यक्रम गीत संगीत नृत्य की प्रस्तुति सभी ने बढ़ चढ़कर दी। विदित हो कि फ्लोरेंस नाइटिंगेल का जन्म 1820 मे हुआ था और उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध में घायल सैनिकों को सेवा प्रदान करते हुए नर्सेस प्रोफेशन की नींव रखी और विश्व को मानवता का संदेश दिया । उसके बाद से उन्हें लेडी आंफ द लैंप के नाम से जाना जाता है। और पूरा विश्व उनके जनम दिन को नर्सेस डे के रूप में मनाता है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, बुधवार 15 मई 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

पित्रोदा के माध्यम से पश्चिम की साजिश

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष, सोनिया परिवार के अंतरंग, राहुल गान्धी के राजनीतिक गुरू सैम पित्रोदा ने भारत के लोगों के प्रति कांग्रेस की सोच को एक महत्वपूर्ण साक्षात्कार में प्रकट किया। सैम पित्रोदा अमरीका में रहते हैं। उन्होंने भारत के समाज शास्त्र को नए सिरे से पारिभाषिक करते हुए कहा कि पश्चिमी भारत में रहने वाले लोग अरबों जैसे हैं। पूर्वी भारत में रहने वाले लोग चीनियों जैसे हैं। दक्षिणी भारत में रहने वाले लोग अफ्रीकियों जैसे हैं। उत्तरी भारत में रहने वाले लोग गोरों जैसे हैं। सैम पित्रोदा अमरीका में रहते हैं। अमरीका में अधिकांश गोरे इंग्लैंड से ही गए हुए हैं। इसलिए सैम को लगता होगा कि यदि भारत में अरब, अफ्रीकी, चीनी जैसे लोगों पर ही अध्ययन खत्म कर दिया तो अमरीका क्या कहेगा? सैम को अमरीका का कर्ज भी चुकाना था। इसलिए उन्होंने उत्तरी भारत को 'गोरों' के खाते में जोड़ दिया। लेकिन जहां तक दक्षिण भारतीयों का सवाल है, उनको सैम पित्रोदा ने अफ्रीकियों के साथ उनके रंग के आधार पर ही जोड़ा होगा, क्योंकि दोनों का रंग काला है। दूसरी कोई समानता तो उनकी आपस में मिलती नहीं। लेकिन क्या केवल रंग को आधार बना कर कांग्रेस के बुद्धिजीवी उनको अफ्रीकी कहना शुरू कर देंगे? बाबा साहिब अंबेडकर ने कहा था कि हिन्दुस्तान में और अनेक कारणों से समाज में भेद-व्यवहार हो सकता है, लेकिन रंग कभी भी भेदभाव का आधार नहीं रहा। पश्चिम में इसके विपरीत है। वहां भेद का आधार ही रंग भेद है। वहां का समाज रंगभेद पर आधारित है। कांग्रेस और उसके गुरू सैम पित्रोदा भी भारत को पश्चिम की समाजशास्त्रिय दृष्टि से समझने की कोशिश करते हैं, इसलिए उनके अध्ययन में दक्षिण भारत अफ्रीका बन जाता है। जाहिर है सोनिया गान्धी को सैम पित्रोदा के इस अध्ययन में कुछ अनुचित नहीं लगता होगा, क्योंकि वे भी भारत को पश्चिम के चश्मे से ही देखती हैं। पश्चिम के देश और सांस्कृतिक लिहाज से उनके प्रतिनिधि देश उत्तरी अमरीका भारत पर दोहरा आक्रमण करते हैं। वे भारत को सांस्कृतिक लिहाज से तोडऩा चाहते हैं क्योंकि भारत उनके 'कलैश ऑफ सिविलाईजेशन' के थीसिस में किसी प्रकार भी फ्टि नहीं बैठता। भारत दुनिया में सबसे पुरानी जीवन्त सभ्यता और संस्कृति वाला देश है। यूरोप दो हजार साल पुरानी संस्कृति का वाहक है। ब्रिटिश, पुर्तगाल और फ्रांसीसी शासन काल में भारत में भी प्रयोग किया गया कि भारतीय अपनी मूल संस्कृति, स्वभाव और प्रकृति को छोडक़र पश्चिमी मान्यताओं में स्वयं को ढाल लें। इन यूरोपीय शासकों ने जब भारत छोड़ा तब उन्हें इस बात की तसल्ली थी कि जिन भारतीय शासकों के हाथ में वे शासन छोड़ कर जा रहे हैं वे भी इसी नीति को जारी रखेंगे। अब तक सभी कुछ उनकी योजना के अनुसार ही चल रहा था। भारत में कांग्रेसी शासन ने अंग्रेजों की उसी नीति को जारी रखा। यही कारण था भारतीयों के लिए पश्चिम एक मानक बना रहा। लेकिन पिछले एक दशक से भारतीयों ने सत्ता भाजपा को सौंप दी। भाजपा ने एक बार फ्र से भारतीय स्वभाव और प्रकृति के साथ जुडऩा शुरू किया, तब पश्चिमी देशों और वहां के थिंक टैंकों को लगा कि यदि भाजपा ज्यादा देर सत्ता में रही तो उनकी चार सौ साल की मेहनत बेकार हो जाएगी। इतना ही नहीं, यदि भारत में सोनिया परिवार पराजित हो गया तो यूरोप की इस सांस्कृतिक नीति को क्रियान्वित कौन करेगा? लेकिन सोनिया परिवार कैसे जीते, इसके लिए वही यूरोपीय टोटके अपनाए जा रहे हैं जो निश्चय ही भारतीय जमीन पर बेकार सिद्ध होंगे। सैम पित्रोदा का यह टोटका उसी प्रकार का है। इसमें ताकत हो न हो, लेकिन यह भारत को बदनाम करता है, उसे अपमानित भी करता है। सैम ने अपने इस टोटके में कुछ और बातें भी कही हैं। उसका कहना है कि भाजपा राम मंदिर और रामनवमी के माध्यम से देश को चुनौती दे रही है। सैम के इस कथन का अभिप्राय तो यही हुआ कि राम और राम नवमी भारत के लिए विदेशी हैं जिनके माध्यम से भारत को चुनौती दी जा रही है। सैम पित्रोदा से पूछा जा सकता है कि यदि राम भारत के लिए विदेशी हैं और वे भारत को चुनौती दे रहे हैं तो भारत में देसी कौन है? बाबर, औरंगजेब या लार्ड माऊंटबेटन? दरअसल सोनिया कांग्रेस की जड़ें भारत की मिट्टी में न होकर उस विदेशी मिट्टी में हैं जिसे भारत में राम भी भारत को चुनौती देते लगते हैं। सोनिया कांग्रेस के ही एक नेता ने कहा था कि गोवा में तो भारत का संविधान थोपा गया था। यानी भारत के इस हिस्से में तो पुर्तगाल का संविधान ही उचित था। इससे स्पष्ट हो रहा है कि सोनिया कांग्रेस की परतें धीरे धीरे उतर रही हैं। लेकिन सैम पित्रोदा द्वारा भारत पर किए गए इस आक्रमण को आईसोलेशन में नहीं देखा जा सकता। यह लम्बी श्रृंखला की केवल एक कड़ी है। इस श्रृंखला का मूल सिरा अमरीका के हाथ में है। सैम पित्रोदा भारत के सामाजिक ताने बाने पर चोट कर रहे हैं तो अमरीका कनाडा के साथ मिल कर भारत की प्रकृति को विश्व में खंडित करने का प्रयास कर रहा है। इतना ही नहीं, उत्तरी अमरीका के ये देश भारत को खंडित करने की प्रक्रिया में उलझे हुए हैं। अमरीका और कनाडा ने गैंगवार में मारे गए निज्जर की हत्या और पन्नू को मारने के प्रयास की एक घटना परिचालित कर, इन दोनों घटनाओं को भारत के मत्थे मढऩे का प्रयास किया है। समय के चुनाव पर ध्यान देना जरूरी है। जिस दिन कनाडा निज्जर की हत्या को लेकर भारत की तथाकथित संलिप्तता को लेकर कोई बयान देता है, उसके दूसरे या तीसरे दिन अमरीका भी गुरपतवन्त सिंह पन्नू की तथाकथित हत्या के प्रयास में भारत की संलिप्तता को लेकर जरूर कोई न कोई बयान देता है।मकसद इतना ही है कि दोनों के बयान का सामूहिक प्रभाव विश्व जनमानस पर पड़े। अमरीका भारत का एक 'रोग स्टेट' की तरह का इमेज स्थापित करना चाहता है और सैम पित्रोदा उसकी सामाजिक संरचना को तार तार करने के प्रयास में लगा हुआ है। कांग्रेस का ही एक दूसरा वरिष्ठ नेता चरणजीत सिंह चन्नी, जो पंजाब में मुख्यमंत्री भी रह चुका है, कुलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादी हमले में हुए शहीद सैनिक का उपहास उड़ाता है। यूरोप की ईसाई मिशनरियां पिछले लम्बे अरसे से मांग कर रही थीं कि भारत सरकार अपनी जनगणना नीति में परिवर्तन करे। वह जनगणना जाति के आधार पर करे। इसका इन मिशनरियों को एक लाभ है। भारत की सामूहिक पहचान को धुंधला किया जा सकता है।

निष्पक्षता दर्शाने के भी प्रयास

सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में कनाडा पुलिस ने तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस ने कहा है कि वे निज्जर की हत्या में भारत सरकार की संलिप्तता की जांच कर रहे हैं। 45 वर्षीय निज्जर की पिछले वर्ष कनाडा में नकाबपोश बंदूकधारियों द्वारा गुरुद्वारे के बाहर गोली मार कर हत्या कर दी गई थी जिससे भारत और कनाडा के दरम्यान राजनयिक विवाद पैदा हो गया। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है तथा उनके पास प्रमाण हैं, और इस मामले में भारत सरकार के तार जुड़े होने की बाबत इन्हें खंगाला जा रहा है। वैसे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पहले ही भारत के खिलाफ पर्याप्त सबूत होने की बात कर चुके हैं। हालांकि भारतीय अधिकारियों ने इन आरापों का सिरे से खंडन किया था। साथ ही, कनाडा पर खालिस्तानी आतंकियों और चरमपंथियों को पनाह देने की भी बात कनाडा के समक्ष उठाई थी। गौरतलब है कि निज्जर भारत सरकार द्वारा पहले ही आतंकवादी घोषित किया जा चुका था जो ऐसे चरमपंथी अलगाव समूह का नेतृत्व कर रहा था, जो अलग खालिस्तान की मांग करता है। इस जांच में भारतीय अधिकारियों को शामिल कर कनाडाई सरकार ने अपनी निष्पक्षता दर्शाने के भी प्रयास किए हैं। कनाडा ही नहीं, बल्कि अमेरिका और इंग्लैंड जैसे देशों में रहने वाले सिखों में भी खालिस्तान के मुखर समर्थक हैं। भारत सरकार सिख अलगाववादी आंदोलन की इस चिंगारी के भड़कने को भारत के घरेलू मामलों में हस्तक्षेप बताती रही है। इससे पहले भी ब्रिटेन में अवतार सिंह खांडा की रहस्यमय मौत और लाहौर में परमजीत सिंह पंजवाड की गोली मार कर की गई हत्या पर भारत सरकार पर संदेह किया गया था। कोई भी सरकार अपनी अखंडता, सुरक्षा और आंतरिक मामलों में बाहर का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं कर सकती। बहरहाल, जांच जारी है, इसलिए अभी अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। खासकर इस वक्त जब देश में लोक सभा के चुनाव चालू हैं, इस तरह के विवादों से समुदाय विशेष को प्रभावित करने की आशंका भी निराधार नहीं कही जा सकती। हालांकि मोदी सरकार वैश्विक पटल पर देश की छवि को लेकर न केवल सावधान रहती है, बल्कि कड़े संदेश देने में भी कदम पीछे नहीं खींचती। चरमपथियों/आतंकवादियों को लेकर किसी भी तरह की मुलायमियत देश की सुरक्षा के लिए उचित नहीं ठहराई जा सकती।

कविता

प्रबल शक्ति, निष्ठा, भक्ति के...

इंजिनियर अरुण कुमार जैन

अंजनी नंदन कोटि नमन है, जन्मदिवस पर,
प्रभुराम चंद्र अनुरागी,व श्रेष्ठ भक्तवर,
मारुतिनन्दन, पवनपुत्र भी, प्रभु कहलाये,
अंजनी माता, पवनपुत्र के आँगन आये.
प्रारब्धोंवश माँ ने गहन वेदना पायी,
निर्जनवन में माँ ममता की घुट्टी पायी,
प्रबलशक्ति, निष्ठा, भक्ति के तुम प्रतीक हो,
सेवा,बुद्धि, समर्पण की, अनुपम नजीर हो.
बजरंगबली, संकटमोचन तुम कहलाते,
अपने भक्तों की रक्षा का भार उठाते.
माँ सीता व प्रभु राम के चरण शरण थे,
हरपल सेवा करके ही आनंदित तुम थे.
माँ सीता को खोजा,प्रभु पीर मिटायी,
दम्भी रावण व लंका में आग लगायी.
पूरा पर्वत ले आये हाथों पर अपने,
पाया लक्ष्मण जीवन, खोले नयन थे अपने.
लंका से अवधपुरी तक सबके प्यारे,
भक्तशिरोमणि,रामप्रभु नयनों के तारे.
मांगीतुंगी मोक्षमहल पद दायी धरती,
सिद्धशिला परआप विराजे, विनती जग की,
चैत्र पूर्णिमा, करते वंदन, हम अभिनन्दन,
कृपादृष्टि पा रहें आपकी चरण की शरण.

तभी सफलता की उम्मीद

धरती पर लाखों वर्षों से लाखों तरह के जीवन रूप फलते-फूलते रहे हैं। यह इस कारण संभव है क्योंकि धरती पर इतने विविध जीवन को पनपाने वाली विशिष्ट स्थितियां मौजूद हैं जैसे कि सूर्य का प्रकाश और ऊष्मा, पर्याप्त मात्रा में जल, वायुमंडल में विभिन्न गैसों की विशेष अनुपात में उपस्थिति आदि। हालांकि धरती पर समय-समय पर बड़ी उथल-पुथल हुई है, जैसे कि वह भारी उथल-पुथल जिसके कारण डायनोसोर लुप्त हुए, पर यह कभी धरती के किसी जीवन-रूप की कार्यवाहियों के कारण नहीं हुई। बीसवीं शताब्दी में पहली बार ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई कि धरती के किसी जीवन-रूप (मनुष्य) की कार्यवाहियों से धरती की जीवन-रक्षक स्थितियां खतरे में पड़ी हों। यह स्थिति सर्वप्रथम 1945 में परमाणु बम गिराने से आरंभ हुई। उसके बाद तो परमाणु हथियारों के साथ अनेक अन्य महाविनाशक हथियारों की एक दौड़ ही आरंभ हो गई। इस समय 9 देशों के पास 12500 से अधिक परमाणु हथियार हैं। यदि कभी इनमें से मात्र 5 से 10 प्रतिशत का वास्तव में उपयोग हो गया, तो पूरी धरती का जीवन नष्ट हो सकता है। रासायनिक और जैविक हथियारों पर विश्व में अनेक वर्षों से प्रतिबंध लगा हुआ है पर समय-समय पर संकेत मिलते रहते हैं कि चोरी-छिपे इन पर अनुसंधान जारी हैं। इसके अतिरिक्त अनेक वैज्ञानिकों ने यह चेतावनी भी दी है कि अनेक तरह के संदिग्ध माने जाने वाले जैव अनुसंधान (जैसे गेन ऑफ फंक्शन रिसर्च) से ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं, जो जैविक हथियारों के उपयोग जितनी ही खतरनाक हैं (जैसे कि प्राकृतिक स्थिति में जो वायरस हैं उनसे अधिक खतरनाक वायरस का प्रसार)। चाहे यह प्रयोगशालाओं में किसी दुर्घटना के कारण ही हो, पर इसका असर जैविक हथियार के उपयोग जितना ही खतरनाक है। अंतरिक्ष के सैन्यकरण की ओर हाल के वर्षों में जो कदम बढ़ाए गए हैं, वे भी उतने ही खतरनाक हैं जितना कि महाविनाशक हथियारों का प्रसार है। खतरनाक हथियारों में जिस तरह एआई या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है, वह अनेक नई खतरनाक संभावनाओं को उत्पन्न करता है जिसके बारे में अनेक वरिष्ठ वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं। वर्ष 1945 के बाद के लगभग आठ दशकों में महाविनाशक हथियारों का यह खतरा बढ़ता ही गया है। इसके साथ-साथ अनेक पर्यावरणीय समस्याएं भी यह रूप ले रही हैं कि उनसे धरती की जीवन रक्षक स्थितियां खतरे में पड़ जाएं। इनमें सबसे चर्चित समस्या जलवायु बदलाव की है पर इसके साथ लगभग दर्जन भर अन्य गंभीर पर्यावरणीय समस्याएं भी हैं जो कई स्तरों पर आपस में जुड़ी हुई भी हैं। इन बढ़ते खतरों के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय और नेतृत्व की ओर से कोई ऐसा बड़ा प्रयास नहीं हो सका है।

नर्सिंग का पेशा दुनिया भर में भरोसेमंद

गंभीर बात है कि निजी संस्थानों में नर्सिस को वेतन कम दिया जाता है तथा काम ज्यादा लिया जाता है हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस 12 मई को पूरे विश्व में मनाया जाता है। बहुत से देशों में 6 मई से 12 मई तक नर्सिस सप्ताह मनाया जाता है। पूरे सप्ताह सेमिनार और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है जिसमें अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तरीय ज्ञान का आदान-प्रदान किया जाता है जो नर्सिस की कार्यशैली में गुणवत्ता लाने में सहायक होता है। हर वर्ष नए थीम के साथ यह दिवस मनाया जाता है जो नर्सिंग पेशे में गुणवत्ता लाने के लिए प्रेरित करता है। इसी कड़ी में वर्ष 2024 का थीम है 'हमारी नर्सें, हमारे भविष्य, रोगी देखभाल की आर्थिक शक्ति'। नर्सें लोगों की सेहत को बनाए रखने में नींव का पत्थर होते हुए अपने आप आर्थिक और सामाजिक समस्याओं से हमेशा संघर्षशील हैं। इसलिए इस वर्ष के थीम में प्रमुखता से नर्सिंग पेशे/क्षेत्र में रणनीतिक निवेश के ऊपर जोर देता है। नर्स किसी भी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, चाहे वह सार्वजनिक हो या निजी। वे चिकित्सा प्रतिष्ठान में प्रवेश करने से लेकर बाहर निकलने तक अपने मरीजों की भलाई के लिए जिम्मेदार हैं। वे चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए डॉक्टरों के साथ सांझेदारी करती हैं। वे मरीजों के स्वास्थ्य और महत्वपूर्ण संकेतों की निगरानी करती हैं। इस वजह से नर्सिंग का पेशा दुनिया भर में सबसे भरोसेमंद पेशों में से एक पेशा बन गया है। पहले इसे एक मामूली पेशे के रूप में देखा जाता था, परंतु फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने नर्सिंग को एक संगठित पेशा बनाया। 1860 में पहला आधिकारिक नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम बनाकर और नर्सों के दिन-प्रतिदिन के कामकाज में चिकित्सा और देखभाल के आधुनिक विचारों को एकीकृत करके नर्सिंग पेशे की स्थिति को ऊंचा उठाने में मदद की। नाइटिंगेल ने देखभाल के मानक स्थापित किए। पूरे विश्व में नर्सिंग क्षेत्र में क्या नए विकास/अनुसंधान हुए, उन सबके अवलोकन के लिए 1965 में दुनिया भर में 20 मिलियन से अधिक नर्सों का प्रतिनिधित्व करने वाले 130 से अधिक राष्ट्रीय नर्सिस संघों का एक संघ, इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सिंग ने 12 मई को पहली बार फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर नर्सों का जश्न मनाया। 1974 में आधिकारिक तौर पर इसे अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस नाम दिया गया था। इस दिवस का उद्देश्य एक स्वस्थ और फ्टि समाज को बनाए रखने में नर्सिस की कड़ी मेहनत को पहचानना और उसका जश्न मनाना है। नर्सिंग स्टाफ के कई कार्यस्थल मुद्दों और चिंताओं पर ध्यान आकर्षित करने में मदद करता है। यह एक व्यवहार्य और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण करियर के रूप में नर्सिंग के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। क्योंकि एक अनुमान के अनुसार 2030 तक सारे संसार में 18 मिलियन स्वास्थ्य कर्मचारी कम होंगे, इसके लिए अधिक भर्ती, प्रशिक्षण आदि के लिए ठोस कार्रवाई पर जोर दिए जाने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में नर्सिंग स्टाफ के महत्व का असली पता हमें कोविड-19 और कोविड-20 में लगा, जब नर्सिस ने अपने आप को अग्रिम पंक्ति की कार्यकर्ता बनकर खुद को आग से खेलने के लिए तैयार किया। अपने परिवार को दूर रखा, परिवार के डर को कम करने के लिए जानबूझकर जानकारी छिपाई। पीपीई किट के साथ 12-12 घंटे मौत के साये में काम किया। महामारी की पहली लहर के दौरान आईसीएन ने दुनिया भर में नर्सिस के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों में 60 प्रतिशत से 80 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की। यह अपर्याप्त जनशक्ति के कारण नर्सिस को अधिक काम के दबाव के कारण हुआ। सारे विश्व में नर्सिस की 10 मिलियन तक की कमी है। 2018 में एक अध्ययन के अनुसार जिन रोगियों को गहन देखभाल की आवश्यकता होती है, वे अपना 86 प्रतिशत से 88 प्रतिशत समय नर्स के साथ बिताते हैं। नर्सिंग एक विविध क्षेत्र है। अजन्मे बच्चे की देखभाल से लेकर जीवन के अंत तक देखभाल करने तक नर्सें प्रतिदिन जीवन और मृत्यु के मामलों को निपटाने के लिए उच्च तनाव वाले वातावरण में काम करती हैं। 2006 में मेडसर्ग नर्सिंग द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि एक नर्स एक औसत शिफ्ट के दौरान 8 किलोमीटर चलती है। नर्सें कई रोगियों की देखभाल की पहली पंक्ति होती हैं, इसलिए उन्हें अक्सर रोगियों या उनके परिवारों की ओर से हिंसा का शिकार भी होना पड़ता है। नर्सें अपना जीवन दाव पर लगाकर उन लोगों की देखभाल करती हैं जो संक्रामक रोगों के कारण बीमार होते हैं। भारत में 35.14 लाख रजिस्टर्ड नर्सिस हैं, जिसका अनुपात 2.06 नर्सिस प्रति 1000 व्यक्ति बनता है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक, जो 3 नर्सिस प्रति हजार व्यक्ति है, से काफी नीचे है। भारतवर्ष में इस अनुपात के कम होने का कारण यह भी है कि अच्छे वेतन के लिए भारत से नर्सिस का पलायन दूसरे देशों को हो रहा है। सरकार को इस दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है। हिमाचल प्रदेश में यह अनुपात और निचले स्तर पर है। 9 जून 2023 के आंकड़ों के अनुसार हिमाचल के स्वास्थ्य विभाग में सिस्टर ट्यूटर के 29 पद, वार्ड सिस्टर और नर्सिंग सिस्टर के 27 पद, स्टाफ नर्स के 647 पद, मेल हेल्थ वर्कर के 1846 और फीमेल हेल्थ वर्कर के 1091 पद खाली हैं। हिमाचल की जनसंख्या इस समय 6864602 है। हिमाचल की जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुरूप स्वीकृत पदों को बढ़ाने की सख्त जरूरत है। हिमाचल प्रदेश में ज्यादातर इलाके ग्रामीण एवं दुर्गम हैं। यहां नर्सिस ही महत्वपूर्ण रोल अदा करती हैं। नर्सिस के कार्य में गुणवत्ता लाने के लिए तथा कामकाजी परिस्थितियों में सुधार के लिए एक प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली को लागू करने की आवश्यकता है। इसके लिए हर महीने खंड स्तर, तहसील स्तर और जिला स्तर तथा अन्य संस्थानों के स्तर पर नर्सिस के साथ सभा हो तथा इनकी मांगों का मौके पर ही निपटारा हो। नर्सिस को कार्य शिफ्टों में करना पड़ता है। इनकी सुविधा के लिए आवास अस्पताल या डिस्पेंसरी के परिसर में ही हो ताकि वे अपने बच्चों तथा बुजुर्गों को अपनी ड्यूटी के साथ-साथ देख सकें। नर्सिस की कोई भी भर्ती आउटसोर्सिंग पर नहीं होनी चाहिए। निजी स्वास्थ्य संस्थानों में नर्सिस को वेतन कम दिया जाता है तथा काम ज्यादा लिया जाता है।

खिलाड़ी तो प्रशिक्षक ही बनाएगा

भूपिंदर सिंह

खेल विभाग व जहां प्रशिक्षक प्रशिक्षण करवा रहा है, वहां उसे सही प्रबंधन देकर प्रशिक्षण कार्यक्रम से जोडऩा होगा। तभी पहाड़ की संतानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का मौका मिलेगा ओलंपिक 2036 भारत में आयोजित करवाने की बात हो रही है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस स्तर पर भारत का प्रदर्शन भी उत्कृष्ट हो। इसलिए भारत में अच्छे प्रशिक्षकों को सही सुविधा व प्रबंधन देना बहुत ही जरूरी हो जाता है, क्योंकि खिलाड़ी सें उच्च परिणाम केवल प्रशिक्षक ही दिलाता है। आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। मानव ने विज्ञान में बहुत प्रगति कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा के क्षेत्र में नए-नए सफ्ल शोध कर जीवनशैली को काफी आसान व सुविधाजनक बना लिया है, मगर शिक्षण व प्रशिक्षण में शिक्षक व प्रशिक्षक की भूमिका का महत्व आज भी वही है जैसा हजारों साल पहले था। महाभारत में कृष्ण सारथी नहीं होते तो क्या अर्जुन भीष्म, कर्ण व अन्य अजेय महारथियों को हरा पाता? विश्व स्तर पर किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का होना बेहद जरूरी होता है। हमारे यहां खेल प्रशिक्षण के लिए वह वातावरण ही नहीं बन पाया है जिसमें प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतनी समय अवधि खेल प्रशिक्षण को देकर ही खिलाड़ी अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाता है। हिमाचल में लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रम का कोई भी प्रावधान अभी तक नहीं बन पाया है। हिमाचल प्रदेश राज्य युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के प्रशिक्षकों को कभी विभिन्न विभागों की भर्तियों में ड्यूटी, तो कभी मेलों व उत्सवों में हाजिरी भरनी पड़ती है। खेल प्रशिक्षक की नियुक्ति ही उच्च खेल परिणामों के लिए की गई होती है, मगर यहां पर प्रशिक्षकों को केवल मल्टीपर्पज कर्मचारी बना दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर प्रशिक्षकों का कार्य उच्च खेल प्रशिक्षण से हट कर अपनी फ्टिनेस तथा सेना में भर्ती कराने तक सीमित हो गया है। हिमाचल प्रदेश के मेलों व उत्सवों में किसी और खेल का प्रशिक्षक किसी और ही खेल की प्ले फील्ड में नजर आता है। इसी तरह पुलिस आदि विभागों की भर्तियों में एथलेटिक्स प्रशिक्षकों की ड्यूटी तो समझ आती है, मगर वहां तो हर खेल के प्रशिक्षक को भेज दिया जाता है। नियमानुसार इन भर्तियों के लिए एथलेटिक्स प्रशिक्षक ही सक्षम है क्योंकि इस टेस्ट में केवल एथलेटिक स्पर्धाओं को ही रखा गया है। ऐसे में एथलेटिक्स प्रशिक्षक की ड्यूटी तो समझ में आती है, मगर वहां अन्य खेलों, जैसे कुश्ती, मुक्केबाजी, हैंडबाल व वॉलीबाल आदि के प्रशिक्षक का क्या औचित्य है, इस बात का उत्तर किसी के भी पास नहीं है। विभिन्न सरकारों ने खेल ढांचे में काफी तरक्की भी की है, मगर क्षमतावान प्रशिक्षकों की नियुक्ति के बारे में हिमाचल में अभी तक कुछ भी नहीं हो पाया है। स्तरीय प्रशिक्षकों के बिना उत्कृष्ट प्रदर्शन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। जो प्रशिक्षक खेल प्रशिक्षण से दूर रह कर मौज-मस्ती कर रहा है, वह तो खुश रहता होगा, मगर जो सच ही में प्रशिक्षण करवा रहा होगा वह जब कई दिनों तक खेल मैदान से दूर रहेगा तो फ्र कौन अभिभावक अपने बच्चे को बिना प्रशिक्षक के मैदान में भेजेगा। हद तो तब हो जाती है जब राज्य में चल रहे खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी भर्तियों में लगा दी जाती है और खेल छात्रावास में रह रहे खिलाडिय़ों को भी खेल प्रशिक्षण से दूर कर दिया जाता रहा है। क्या प्रतिभा खोज से चयनित इन अति प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों को प्रशिक्षक से कुछ समय के लिए ही सही, इस तरह प्रशिक्षण कार्यक्रम से दूर करना कहां तक उचित है? खेल छात्रावासों में नियुक्त प्रशिक्षकों की ड्यूटी खेल प्रशिक्षण के सिवा और कहीं भी नहीं होनी चाहिए। आजकल हर शिक्षित मां-बाप के दो और कई जगह तो एक ही बच्चा है, ऐसे में वह उसे उस क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक ले जाना चाहता है जिसमें बच्चे की रुचि व उस क्षेत्र के लिए पर्याप्त प्रतिभा भी हो। आज का अभिभावक अपने बच्चों के कैरियर की खातिर ही सरकार की मुफ्त शिक्षा सुविधाओं को छोडक़र निजी क्षेत्र की महंगी मगर अधिक गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहा है। आज लाखों प्रतिभाशाली विद्यार्थी निजी कोचिंग संस्थानों में डाक्टर व इंजीनियर बनने इसलिए जमा दो की परीक्षा से कई वर्ष पहले पहुंच रहे हैं। इसी तरह अब खेल क्षेत्र में भी हो रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सब के लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफ्र सफ्लतापूर्वक पूरा कर सकें। इसलिए देश में निजी खेल अकादमियों का चलन भी बढ़ रहा है। गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी के विश्व स्तर के परिणाम सबके सामने हैं। यह सब लगातार अच्छे प्रशिक्षण कार्यक्रम का ही नतीजा है। इस समय विभिन्न खेलों के लिए देश में निजी स्तर पर कई अकादमियां शुरू हो चुकी हैं। इन खेल अकादमियों को अधिकतर पूर्व ओलंपियन चला रहे हैं और यहां से अच्छे खेल परिणाम भी मिल रहे हैं। इन अकादमियों में जो विशेष है, वह यह है कि यहां उच्च क्षमता वाला प्रशिक्षक लगातार उपलब्ध है। हिमाचल प्रदेश के पास आज विभिन्न खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड तैयार हैं। वहां पर या तो प्रशिक्षक हैं ही नहीं और जहां हैं भी वे या तो प्रशिक्षण से बेरुख हैं या उनमें अच्छे स्तर के खेल परिणाम दिलाने की क्षमता ही नहीं है। क्या हिमाचल सरकार पंजाब, गुजरात आदि राज्यों की तरह उत्कृष्ट खेल परिणाम दिलाने वाले बढिय़ा प्रशिक्षकों को यहां लगातार कई वर्षों के लिए अनुबंधित कर प्रदेश के खिलाडिय़ों को राज्य में ही प्रशिक्षण सुविधा दिला कर खेल प्रतिभा का पलायन रोक नहीं सकती है। इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा तो हर खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर चाहेगा कि उसके शिष्य भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करें।

संक्षिप्त समाचार

घर-घर जाकर गीता पाठ करतीं हैं नंदा अगस्ती, महाराष्ट्र मंडल की वरिष्ठ सभासद ने 10 वर्षों से जारी रखा है यह पुण्य यज्ञ

रायपुर (विश्व परिवार)। शैलेंद्र नगर निवासी उप पुलिस अधीक्षक व महाराष्ट्र मंडल के वरिष्ठ आजीवन सभासद राजेश चौधरी के पिता

दत्तात्रय गजानन चौधरी के रविवार को हुए निधन पर उनके शोक संतप्त परिवार और करीबियों के बीच एक महिला गीता पाठ करते हुए उसके मायने भी बता रही थी। उनकी वाचन और संबोधन शैली से वहां बैठे लोग उनसे जुड़ते चले गए। फलस्वरूप परिवार व घर का वातावरण भी हल्का होता चला गया। बात हो रही है महाराष्ट्र मंडल की वरिष्ठ सदस्य, वल्लभनगर निवासी नंदा अगस्त की, जो घर- घर जाकर गीता का पाठ करतीं हैं। आध्यात्मिक इच्छाशक्ति व स्वेच्छा से उन्होंने यह कार्य 10 साल पहले शुरू किया था और अब तक बीसियों घरों में जाकर वे गीता पाठ कर चुकीं हैं। महिला प्रमुख विशाखा तोपखानेवाले ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल की आजीवन सभासद नंदा अगस्ती 10 सालों से मूलत: शोक संतप्त परिवारों के घर जाकर गीता पाठ करतीं हैं। उन्होंने यह कार्य स्व प्रेरणा से 2014 से शुरू किया था। अब वे गीता पाठ में रम गईं हैं। नंदा के मुताबिक गीता का पाठ और श्रवण, दोनों मुक्ति के साधन हैं। ऐसे में शोक संतप्त परिवार के घर जाकर गीता पाठ करने से मृतात्मा को शांति मिलती है। 10 साल पहले हमारे पड़ोसी श्री पांडे का निधन हो गया था। तब वे परिजनों से भेंट करने उनके घर गई। वहां किसी ने गीता पाठ कराने की सलाह दी, तो उन्होंने उनकी बेटियों से पूछा क्या मैं पढ़ूं गीता। तो उन्होंने सहमति दी और मैंने गीता के दो अध्याय पढ़े। उसी दिन से गीता पाठ का सफर शुरू हुआ, जो आज भी अनवरत जारी है। नंदा ने कहा कि जब भी कोई बुलाता है, तो वे गीता पाठ करने जरूर जातीं हैं। इस कार्य के लिए घर- परिवार की व्यस्तता कभी आड़े नहीं आती।

सरयूपारिण महिला ब्राम्हण समाज ने मनाई भगवान परशुराम जन्मोत्सव

दुर्ग (आरएनएस)। सरयूपारिण महिला ब्राम्हण समाज द्वारा भगवान परशुराम की जन्मोत्सव पूरे श्रद्धा व आस्था के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज की अध्यक्ष अनिता पांडे की अध्यक्षता में सिविललाईन कसारीडीह स्थित मां सतरुपा शीतला मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान परशुराम जी की पूजा-अर्चना कर आरती की गई। तत्पश्चात श्रद्धालुओं को शरबत व प्रसाद बांटकर परशुराम जन्मोत्सव की खुशिया मनाई गई। इस अवसर पर महिला ब्राम्हण समाज की अध्यक्ष अनिता पांडे, शंकुतला चौबे, शीला चौबे, संगीता शर्मा, अर्पणा तिवारी,किरण मिश्रा, रानी उपाध्याय,मंजू दीवान, ममता तिवारी,भारती दीवान सुशीला तिवारी,सुषमा शर्मा, विन्देश्वरी दुबे के अलावा बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं मौजूद रही।

आपसे सब चाहते हैं, लेकिन आपको नहीं चाहते : मुनि श्री विनम्रसागर जी महाराज

विदिशा (विश्व परिवार)। जीवन की श्वास कब टूट जाऐ इसका कोई भरोसा नहीं मां सुबह से उठती हो, सुबह से लेकर दिन भर अच्छी से अच्छी बस्तु बनाती हो, अपने पति और बच्चों को खिलाती हो, घर को बनाने से लेकर श्वांस टूटने तक सबको सब कुछ प्रदान करती हो पिता जी सुवह 7 बजे से लेकर 10 बजे रात तक धन उपार्जन के लिये दुकान जाते है नौकरी करते है, आपसे सब चाहते है, लेकिन आपको नहीं चाहते उपरोक्त उदगार मुनि श्री विनम्रसागर महाराज ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के प्रथम दिवस व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि यह सत्य है आपसे सब चाहते है आपको नहीं चाहते जीवन की यह श्वांस कब आपसे रुठ जाऐ ऐसे जीवन के बीच आप जी रहे है। उन्होंने कहा कि यह आप सभी का सौभाग्य है कि आने बाले18 हजार वर्षों तक जिनशासन की सुरक्षा बनी रहे आचार्य गुरुदेव ने शीतलधाम में समवसरण

मंदिर एवं सहस्त्रकूट जिनालय के लिये आपको आशीर्वाद दे चुके है, अभी भी इतनी बड़ी समाज में बहूत लोग है जिन्होंने प्रतिमा विराजमान करने का सौभाग्य नहीं लिया है वह इस अबसर पर लाभ उठाऐं। मुनि श्री निस्वार्थ सागर महाराज ने कहा भक्त बनकर ही भगवान बन सकते है, यह विदिशा बासिओं का पुण्य है कि पूज्य गुरुदेव की ओर से विदिशा को शीतलधाम के रुप में नई दिशा प्राप्त हो चुकी है, यहां बनने बाले समवसरण में दसों दिशाओं से लोग आऐंगे प्रभु की भक्ति करेंगे आपके दृव्य से स्थापित जिनविम्व से किसी एक भव्य को भी सम्यक् दर्शन मिल गया तो आपके द्वारा जिनविम्व स्थापित करना सार्थक हो जाऐगा। जैन समाज के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया श्री सिद्दचक्र विधान के दूसरे दिवस प्रात: काल ध्वजारोहण किया गया धव्जा पूर्व दिशा की ओर गयी जो कि संकेत देती है कि यंहा हमेशा सुभिक्ष रहेगा।कार्यक्रम के शुभारंभ में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन दि.जैन पंचायत कमेटी भोपाल के अध्यक्ष मनोज बागा, पंकज सुपारी पूर्व अध्यक्ष, एवं रानी कमलापति जैन मंदिर कमेटी के पदाधिकारीओं ने किया एवं श्रीफल अर्पित कर मुनिसंघ से भोपाल के लिये निवेदन किया। ज्ञातव्य रहे 13 मई से 20 मई तक श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन ब्र अविनाश भैया भोपाल के निर्देशन, ब्र अनूप भैया विदिशा, पंडित महेंद्रसह निर्देशन में चल रहा है। इस अवसर पर आयोजन समिति की ओर से अभय वैद्य परिवार द्वारा उनका सम्मान कर आचार्य निमंत्रण दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। -**अविनाश जैन**

रामगंजमंडी के भक्त समूह ने आचार्य श्री समय सागर जी महाराज का लिया मंगल आशीर्वाद

आचार्य श्री से राजस्थान आने का किया निवेदन

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। रामगंजमंडी नगर से भक्तों का समूह कुंडलपुर तीर्थ पहुंचा जो उन्होंने कुंडलपुर में स्थित बड़े बाबा के दर्शन किए एवं आचार्य श्री समय सागर महाराज के दर्शन कर समस्त संघ के दर्शन किए।

पूज्य आचार्य श्री समय सागर महाराज के दर्शन करते हुए उन्होंने आचार्य श्री से राजस्थान आगमन एवं रामगंज मंडी आगमन हेतु निवेदन किया साथ ही उन्होंने 17 मई से रामगंजमंडी में आयोजित होने जा रहे सम्यग्ज्ञान शिक्षण एवं मूकमाटी महाकाव्य अर्थज्ञान शिविर के लिए भी गुरुदेव से आशीर्वाद लिया। गुरुदेव ने रामगंज मंडी के भक्तों को मधुर मुस्कान के साथ आशीर्वाद प्रदान किया। इसके पश्चात दक्षिण में धर्म की प्रभावना करने वाले निर्यापक श्रमण मुनिश्री नियमसागर जी महाराज को आहार दिया। फिर महाराज जी को रामगंजमंडी में श्रावक परिवार और स्वाध्याय परिवार की गतिविधियों से अवगत करा कर उन्हें भी रामगंजमंडी पधारने हेतु निवेदन किया और आगामी शिविर हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। इस सबके पश्चात रामगंज मंडी में चातुर्मास कर चुके और रामगंज मंडी पर विशेष अनुकंपा बरसाने वाले तपस्वी संत पूज्य मुनि श्री 108 चंद्रप्रभ सागर महाराज का मंगल आशीर्वाद भी प्राप्त किया एवं उनके दीक्षा दिवस पर उनके संयम की अनुमोदना की इस समूह में रामगंजमंडी की ओर से आकाश जैन आचार्य, सिद्धार्थ बाबरिया, देवांश जैन, आदिश जैन मौजूद रहे। इन सभी ने बताया कि गुरुदेव से काफी समय तक धर्म चर्चा हुई एवं उन्होंने रामगंजमंडी के बारे में जाना। यह सभी गुरुदेव से एवं पूज्य मुनि श्री से आशीर्वाद लेने के बाद काफी गदगद दिखाई दिए। निश्चित रूप से अगर रामगंज मंडी नगर एवं राजस्थान का पुण्य प्रबल होगा तो आचार्य श्री एवं संघ के संतो का सानिध्य प्राप्त हो सकता है। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

श्रीमद् भागवत कथा का सन्ना रोड में बह रही बयार, विश्व कल्याण के लिए श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

भागवत कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 7 बजे तक

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। विश्व कल्याण के लिए सन्ना रोड में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है। जिसमें कथा सुनने बड़ी संख्या में नगरवासी पहुंच रहे है। यहां सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा हो रहा है। कथा शुक्रवार से शुरू हुआ है। कथा के पहले दिन कलश यात्रा हुई है। प्रतिदिन विधिवत मंत्रो उच्चारण के साथ पूजन आरती हो रही हैं। श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन सन्ना रोड नवा टोली निवासी श्रीमती अनीता पाठक माताजी मिथिलेश पाठक संज्ञा पाठक मुकेश प्रीती पाठक के द्वारा अपने निवास में श्रद्धा आचार्य विष्णु देव मिश्रा महाराज बनारस की उपस्थिति में एवं श्रद्धा आचार्य अनिरुद्ध शिवानंद महाराज श्री वृंदावन धाम मथुरा के मुखारविंद से चल रहा है। भागवत कथा का समापन 17 जून दिन शुक्रवार को पूर्णाहुति के साथ समाप्त होगी। भागवत कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक चल रहा है। पाठक परिवार ने श्रीमद् भागवत कथा के रसपान के लिए नगरवासियों को आमंत्रित किया है।

झारखंड जिताने छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओ की मैराथन बैठके

धरमलाल कौशिक, भूपेंद्र सव्वनी, रजनीश सिंह, विकास महतो संभाल रहे जमशेदपुर लोकसभा

रायपुर (विश्व परिवार)। आज झारखंड राज्य के जमशेदपुर लोकसभा चुनाव कार्यालय में भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी श्री विद्युत वरण महतो जी को विजय दिलाने छत्तीसगढ़ से बिल्हा के विधायक, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री धरम लाल कौशिक जी व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री भूपेंद्र सवन्नी जी ने जमशेदपुर लोकसभा संयोजक श्री नंदजी प्रसाद, सह संयोजक श्री लक्षण तुडु जी, सह संयोजक श्री राजकुमार श्रीवास्तव जी, जमशेदपुर महानगर जिलाध्यक्ष श्री सुधांशु वोझा जी के साथ परिचयात्मक बैठक कर चुनाव प्रचार हेतु कार्ययोजना बनाई।

बैठक में छत्तीसगढ़ से बेलतरा के पूर्व विधायक श्री रजनीश सिंह जी, प्रदेश मंत्री श्री विकास महतो जी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री हरपाल सिंह जी, जिला उपाध्यक्ष जांजगीर चांपा श्री अमर सुल्तानिया जी, श्री राजकुमार अग्रवाल, जिला महामंत्री कोरबा श्री संतोष देवांगन जी, जांजगीर नगर पालिका परिषद नेता प्रतिपक्ष श्री हितेश यादव जी उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं के बीच कार्ययोजना के तहत कार्यों का विभाजन किया गया जिसमें जमशेदपुर लोकसभा का प्रभार श्री धरम लाल कौशिक जी एवं विधानसभावार जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा श्री भूपेन्द्र सवन्नी जी, पोटका विधानसभा श्री रजनीश सिंह जी, जुगसलाई विधानसभा श्री विकास महतो जी, श्री संतोष देवांगन जी, बहरागुड़ा श्री कृष्ण कुमार बांधी जी, श्री पवन गर्ग जी, जमशेदपुर पूर्व विधानसभा श्री हरपाल सिंह जी, श्री राजकुमार अग्रवाल जी, घाटसीला विधानसभा श्री सौरभ सिंह जी, श्री अमर सुल्तानिया जी, श्री हितेश यादव जी को विधानसभावार जिम्मेदारी सौंपी गई।

अ.भा.दिगम्बर जैन विद्वत्परिषद का अधिवेशन ललितपुर में

जयपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन विद्वत्परिषद का राष्ट्रीय अधिवेशन 27 मई को ललितपुर में डा.वीरसागर जी की अध्यक्षता में सम्पन्न होगा। अधिवेशन में विद्वत्परिषद के ट्रस्टी गण, राष्ट्रीय कार्यकारिणी व प्रादेशिक कार्यकारिणी के पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। स्मरण रहे कि विद्वत्परिषद् की ओर से इस वर्ष को तत्त्वार्थसूत्र वर्ष घोषित किया गया है। इस उपलक्ष्य में देश भर में अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।समाज में इन प्रतियोगिताओं को लेकर बड़ा उत्साह है। अभी तक तीन हजार की संख्या में क्विज प्रतियोगिता की निर्देशिका उपलब्ध कराई जा चुकी है जबकि हमारा लक्ष्य 7 हजार ?प्रतिभागियों को शामिल करने का है। विद्वत्परिषद् के महामंत्री डा.अखिल बंसल ने बताया कि अनेक स्थानों पर तत्त्वार्थसूत्र गोष्ठियों के आयोजन विद्वत्परिषद के तत्वावधान में हो चुके हैं अब 1 जून को ललितपुर में भी तत्त्वार्थसूत्र गोष्ठी आयोजित है। प्रतियोगिताओं को सफल बनाने अध्यक्ष-डा.वीरसागर, कार्याध्यक्ष -डा.शांतिकुमार पाटिल, महामंत्री -डा.अखिल बंसल, शिक्षा मंत्री-डा.प्रवीणकुमार जैन, संगठन मंत्री-डा.अरविन्द कुमार जैन, कोषाध्यक्ष -पण्डित पीयूष जी शास्त्री के साथ पण्डित गौरव उखलकर, पण्डित मंथन गाला, पण्डित अमन शास्त्री, पण्डित अनेकान्त शास्त्री आदि की टीम प्राणपण से जुटकर कार्यरत है। इसके पुरस्कार वितरण के समारोह को भव्यता प्रदान करने सभी कटिबद्ध हैं।

कलेक्टर से भेंट कर स्टूडेंट्स व उनके पैरेन्ट्स ने किया अनुरोध

जून में होगी यूपीएससी प्रीलिम्स, कार्यशाला की तारीख बदल दें

रायपुर (आरएनएस)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देश पर आगामी जून माह में आयोजित हो रहे यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा को देखते हुए 18 मई को प्रस्तावित मार्गदर्शी कार्यक्रम आयाम - ऊंची उड़ान का के आयोजन की तिथि आगे बढ़ा दी गई है। परीक्षा में सम्मिलित हो रहे युवाओं व उनके पालकों ने आज रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह से मुलाकात कर प्रारंभिक परीक्षा उपरांत ही कार्यशाला आयोजित करने का अनुरोध किया था। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा है कि अब यह कार्यशाला यूपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा के बाद जून के तृतीय सप्ताह में संभावित है। कलेक्टर के निर्देश पर इस कार्यशाला में देश के प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञों को भी आमंत्रित करने की योजना तैयार की जा रही है। कार्यशाला में सम्मिलित होने के इच्छुक प्रतिभागियों व पालकों से कहा गया है कि कार्यशाला में प्रवेश हेतु नि:शुल्क पंजीयन की प्रक्रिया जारी है, अत: https\Ñ//forms.gle/V{cbawiHgkCSruRo} लिंक पर जाकर पंजीयन अवश्य करा लें।

रायपुर जिला प्रशासन द्वारा युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान करने आयोजित होने वाली इस कार्यशाला में 2011 से 2024 बैच के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस व अन्य संवर्ग के अधिकारियों से संवाद का अवसर मिलेगा। कलेक्टर डॉ. सिंह से मुलाकात में युवाओं ने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमुखों, उनके विषय विशेषज्ञों, मार्गदर्शकों को भी इस कार्यशाला में आमंत्रित कर उनके भी व्याख्यान का अनुरोध किया, जिससे कि रायपुर में ऐसे विषय विशेषज्ञों को सुनने व विद्यार्थियों को अपनी तैयारियों को दिशा देने का अवसर मिल सकें। कलेक्टर डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों को यह भी आश्वस्त किया है कि कार्यशाला में उनके सुझाएं विषय विशेषज्ञों को भी उनकी उपलब्धता के आधार पर आमंत्रित कर उनके सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यशाला में मेधा सम्मान का भी आयोजन होगा, जिसमें हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी में प्रावीण्यता प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। मार्गदर्शी कार्यक्रम आयाम-ऊंची उड़ान का आयोजन अब 18 मई को नहीं होगा, किन्तु आगामी तिथि को होने वाले आयोजन हेतु युवाओं व पालकों के नि:शुल्क रजिस्ट्रेशन जारी रहेंगे। इच्छुक प्रतिभागी एवं पालक https\Ñ//forms.gle/V{cbawiHgkCSruRo} पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते है।

बीजेएस, जल क्रांति मिशन का ग्राम कोलर में, दूसरे तालाब पर कार्य प्रारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जैन संगठना के मीडिया प्रभारी राजेंद्र पारख ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि प्रदेश में जल क्रांति मिशन का आज दिनांक 14 मई को दूसरे तालाब ग्राम कोलर में हुई। हमारा देश पानी के संकट से जुझ रहा है। सकल जैन समाज देश को जल आत्मनिर्भर बनाने के लिए सज्ज है. पाणी के संकट का एक कारण है। सैकड़ो वर्षों से हर गाँव-गाँव में तालाब जैसे जलाशय उपलब्ध है। बारिश के दिनों में बारिश के पानी के साथ-साथ तालाबो में काफी मिट्टी जमा हो जाती है अगर समय समय पर उस मिट्टी को निकाला नही गया तो तालाब मिट्टी से ही भर जाते है परिणामस्वरूप तालाब सूख जाते है और उन्मे पानी रुकता नही इसकी वजह से पानी की रिसाव भी नही होता और गाँव के अन्य पानी के स्रोत जैसे कुएं और बोरवेल भी सुख जाते है।

एकमात्र समाधान जलाशयों का पुनर्जीवन। अगर हम टेक्निकल सर्वे करके तालाबों की मिट्टी निकालते हैं तो वह तालाब पानी से लबालब भरेंगे। यह कम खर्चे वाला, किसी भी गांव में आसानी से किया जा सकने वाला, एक सीधा और सरल उपाय है। इतना ही नहीं तालाब से निकाली गई मिट्टी, किसानों की बंजर जमीन को उपजाऊ बनती है और उसका उपयोग भी उस गांव के किसान खुद ही करते हैं। जिससे गांव और किसान खुशाल और समृद्ध और शशक्त होते है। भारतीय जैन संगठन सकल जैन समाज की ही एक संस्था है, जिसने अथक परिश्रम के कई कठिनाइयों का सामना करते हुए हजारों गाँव में तालाबों का पुनर्जीवन करके, पानी के लिए %यही एक आसान रास्ता है% यह सिद्ध किया है। इतना ही नहीं इस प्रक्रिया को किसान, जिला प्रशासन, राज्य शासन, नीति आयोग और केंद्र शासन ने भी सोच समझकर अपनाया है। केंद्र शासन के जल शक्ति मंत्रालय एवं पंचायती राज मंत्रालय ने साथ मिलकर बीजेएस को देश के पानी संकट से आती प्रभावित 100 जिलों में रूख करके कार्य करने का मौका दिया है। हमें गर्व है सभी सरकारों ने सकल जैन समाज को इसके काबिल समझा और देश में जल क्रांति लाने का एक अवसर प्रदान किया। आपको जानकर प्रसन्नता होगी की हमारे छत्तीसगढ़ राज्य के 15 जिलों को इस परियोजना में शामिल किया गया है। -**राजेंद्र पारख**

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। 14 और 15 मई 2024 को मैट्स विश्वविद्यालय के वाणिज्य और प्रबंध विभाग द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नए कन्वेंशन हॉलए सर्किट हाउस में आयोजित संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य भारत को 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्थ कैसे बनाया जाए। इस पर ध्यान दिया जा रहा है। इस संगोष्ठी में मुख्यमंत्री अतिथि के रूप में प्रदेश के यशस्वी उप.मुख्यमंत्री श्री अरूण साव जी उनके साथ पद्म श्री फूल बासन बाई यादव थे। प्रथम दिवस प्रति तकनिकी सत्र में विभिन्न शोधार्थी द्वार शोध पत्र पढ़े गए। तकनिकी सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में डॉण् श्रीनिवास तथा डॉण् आशीष कुमार श्रीवास्तव रहे।

साथ ही विश्व विद्यालय के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया कुलपति डॉ. केपी यादव महानदेशक श्री प्रियेश पगारिया कुलपति डॉ दीपिका ढांड कुलसचिव श्री गोकुलानंद पण्डा जीए वाणिज्य एवं प्रबंध के विभागाध्यक्ष डॉण् उमेष गुप्ता तथा साथ मे ंविष्वविद्याल के विभिन्न विभाग के विभागाध्यक्ष और समस्त षिक्षकगण उपस्तिथ रहे।

प्रथम दिवस में भारत को कैसे विष्वपटल पर 5 ट्रिलियन अर्थव्यवथा बनाया जाएए इस पर चर्चा की गई। स्वागत भाशण विभागाध्यक्ष डॉण् उमेष गुप्ता ने दिया। विष्वविद्यालय के कुलपति डॉण् केण् पीण् यादव ने भी अपना अभिभाशण दिया तथा विष्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री गजराज पगारिया ने विद्यार्थीयों तथा षोद्यार्थीयों के उज्जवल भविश्य की कामना की तथा कार्यक्रम का मुख्य आकर्शण उप.मुख्यमंत्री श्री अरूण साव का उद्बोधन रहा तथा मुख्य वक्ता श्रीमति फूल बासन बाई यादव जी का चर्चा मुख्य केन्द्र बिन्दु था।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जिला पंचायत सदस्य पद से दिया त्याग पत्र

कवर्धा (आरएनएस)। विधानसभा से विधायक प्रदेश में उप मुख्यमंत्री का दायित्व संभाल रहे विजय शर्मा ने सोमवार को जिला पंचायत सदस्य पद से ईस्तीफा दे दिया .उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शुसिला रामकुमार भट्ट को जिला पंचायत जाकर अपना त्याग पत्र सौपा .विजय शर्मा जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 09 से निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य चुने गए थे।

इस दौरान स्थानीय पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा जब राज्य में कांग्रेस की सरकार थी और अनेक प्रकार के दबाव बीच त्री स्तरीय पंचायत चुनाव क्षेत्र की जनता ने मुझे सदस्य चुना था . 32 पंचायत करीब 60 से अधिक ग्रामीण जनता ने मुझ पर विश्वाश जताया था .मैंने पूरी कोशिश की जनता से जुड़े मुद्दे प्रशासन और शासन तक जिस भी माध्यम से हो पहुचे और इस कालखंड में जनता भरपूर प्रेम और सहयोग मिला। उन्होंने कहा पंचायती राज व्यवस्था में जिला पंचायत सदस्य के रूप में ग्रामीणों के बहुत से समस्याओं को जानने का अवसर मिला .बहुत कुछ सिखने का भी अवसर मिला जिसका लाभ एक विधायक के रूप में कार्य करने में मिल रहा है . चूँकि पंचायत मंत्री का दायित्व भी मेरे पास है इन अनुभवों का उपयोग करते हुए ग्राम पंचायतो में बहुत से ऐसे कार्य करने है जिसका लाभ ग्राम वासियों को मिलेगा . पंचायत के साथ जोड़कर जनता को सारी सुविधा मुहैया करना प्रमुख लक्ष्य होगा .जनता का कोई पंजीयन से जुड़ा काम हो ,कोई टिकट निकालना हो ,महतारी वंदन की राशी देना हो ,पेंशन की राशी देना हो और अन्य कोई भी विषय हो उसका समाधान ग्राम पंचायतों में हो जाये ऐसी व्यवस्था आने वाले समय में हर हाल में सभी ग्राम पंचायतों में बनाकर रखेंगे।

उन्होंने कहा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट जी का पंचायती राज पर गहरा अध्यन है विभिन्न बैठको में उनका मार्गदर्शन मिलता रहा . जिला पंचायत सदस्य के रूप में काम करना मेरे लिए सुखद अनुभव रहा लोगो ने खूब प्रेम और आशीर्वाद दिया।

इस दौरान जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार भट्ट ,जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक साहू ,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष पटेल ,जनपद अध्यक्ष श्रीमती इन्द्राणी चन्द्रवंशी ,दिनेश चन्द्रवंशी ,जिला पंचायत सदस्य रामकृष्ण साहू ,श्रीमती सुमीर पुषाम ,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रामचरण साहू ,जिला पंचायत सदस्य तुकाराम ,मुखी राम मरकाम ,उपस्थित रहे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, बुधवार 15 मई 2024

सिविल अस्पताल मे पिछले 1 सालों से प्रसूति चिकित्सक ही नही

सिविल अस्पताल से शहरी ग्रामीण आबादी सहित आसपास के जिले भी अश्रित

भाटापारा। जिले का सबसे बडा शहर भाटापारा को माना जाता है यहां की आबादी आज के तारीख मे लगभग 70 हजार के आसपास माना जा सकता है। इसके बीच शहर मे आम गरीब मध्यम वर्ग निवास करते है जो प्रतिदिन मेहनतकश जिंदगी से जीविकोपार्जन करते है व स्वास्थ्यगत चिकित्सा के दृष्टिकोण से सिविल अस्पताल भाटापारा पर निर्भर करते है और इससे भी बडी अधिक आबादी भाटापारा क्षेत्र सहित आसपास के जिले से लगे हुये लोग भी भाटापारा सिविल अस्पताल पर निर्भर रहते है परंतु इस अस्पताल मे पिछले 1 सालों से प्रसूति रोग विशेषज्ञ महिला चिकित्सक नही होने से गर्भवती महिलाओं व उनके परिजनों को इलाज सम्बन्धी अनेक परेशानियों का सामना करते हुये डिलीवरी हेतु नीजि अस्पतालों पर निर्भर रहना पड जाता है जहाँ पर डिलीवरी पेशेंट के परिजनों को भारी अर्थिक क्षति वहन करना पडता है गरीब वर्ग के लोग आपातकालिक स्थिति मे कर्ज लेकर नीजी अस्पतालों मे डिलीवरी कराने को भी मजबूर हो जाते है ।

क्या होता है प्रसूति रोग चिकित्सक

प्रसूति रोग विशेषज्ञ एक चिकित्सक होता है जो महिला के गर्भावस्था के दौरान और जन्म देने के बाद बच्चों को जन्म देने और लोगों की देखभाल करने में माहिर होता है। वे गर्भावस्था से संबंधित विशिष्ट चिकित्सीय स्थितियों का इलाज करते हैं और प्रसव और प्रसव से संबंधित सर्जरी करते हैं। जिससे जच्चा बच्चा

दोनो सुरक्षित रह सके परंतु भाटापारा सिविल अस्पताल मे प्रसूति रोग विशेषज्ञ डाक्टर नही होने से नार्मल डिलीवरी को छोड अन्य प्रकार के डिलीवरी के लिये निजी अस्पतालों मे निर्भर रहना पड जाता है जिसके कारण आम गरीब मध्यम वर्ग को भारी आर्थिक व मानसिक छति उठाना पडता है

साल भर पहले रही प्रसूति चिकित्सक से डिलीवरी सम्बंधित मामलों में थी राहत

साल भर पहले भाटापारा सिविल अस्पताल मे कौर मैडम प्रसूति चिकित्सक के रुप मे भाटापारा के सिविल अस्पताल मे सेवा दे रही थी जिससे बडे से बडे डिलीवरी कैस को सहज रुप से हेंडल कर लिया जाता था परंतु ट्रेनिंग के सिलसिले मे 6 माह बाहर रहने के बाद पुनः वह प्रसूति चिकित्सक का पद ग्रहण नही कर सका जिसके चलते डिलीवरी से सम्बन्धित मामलों को लेकर आम गरीब मध्यम वर्ग के लोगों को भारी परेशानियां उठानी पड रही है ।

लाल बहादुर शास्त्री वार्ड मे 50 बिस्तर का अस्पताल बनकर तैयार

गौरतलब है की शहरी प्राथमिक केन्द्र के अंतर्गत नवीन 50 बिस्तर का अस्पताल बनकर तैयार है परंतु अभी तक इनका उद्घाटन नही हो पाने से रेल्वे फाटक के उस पार रहने वाली शहर के आधी आबादी को इसका फिलहाल लाभ भी नही मिल पा रहा है।

सिविल अस्पताल के जमीन का हिस्सा अवैध अतिक्रमण के चपेट मे

गौरतलब है की आज के परिवेश मे पिछले 20 सालों की तुलना मे भाटापारा क्षेत्र की आबादी दोगुनी हो चुकी है जिसके चलते शहर की आवश्यकताएं व जरूरते भी कई गुणी बढ चुकी है इसी कारण भाटापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से बढकर सिविल अस्पताल का दर्जा प्राप्त कर चुका है अस्पताल मे सुविधाओं का विस्तारीकरण हेतु जगह की भी कमी पड रही है भाटापारा सिविल अस्पताल लगभग 3 एकड के क्षेत्रफल मे फैला हुआ है वही स्वास्थ्य विभाग की और से शासन के पास अनेक योजनाएं भी प्रभावी है परंतु इस अस्पताल के आधे एकड से अधिक का भू-भाग लम्बे समय से अवैध अतिक्रमण के चपेट मे है, जो की राजनीतिक प्रभाव के चलते सिविल अस्पताल की जगह को अतिक्रमण मुफ्त भी नही कराया जा सका उक्त सम्बंध मे पहले राजस्व विभाग के तहसीलदार द्वारा नोटिस भी दिया जा चुका है जिसका कोई प्रभाव नही पडा जिसके चलते सुविधाओं के विस्तारीकरण हेतु पर्याप्त जगह के अभाव भी महसूस किया जाता रहा है।

जीवनदीप समिति गठित परंतु सक्रिय नही

गौरतलब है कि सिविल अस्पताल मे जीवन दीप समिति गठित है जो, अस्पतालों के प्रबंधन को जनभागीदारी से सुधारने एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में परिवर्तन करने के लिए किया जाता है इसका अध्यक्ष क्षेत्र के निर्वाचित विधायक होता है परंतु फिलहाल उक्त मामले मे कोई खास सक्रियता सजगता नही देखा जा रहा है जिसका लाभ लोगों को मिल सके।

पूर्व मे प्रसूति चिकित्सक की नियुक्ति हो चुकी थी परंतु पिछले कुछ समय से पुनः ज्वानिंग नही होने से प्रसूति महिला चिकित्सक का पद एक वर्ष से सिविल अस्पताल भाटापारा मे रिक्त पड़ा है।

राजेन्द्र माहेश्वरी
विकास खण्ड चिकित्सा अधिकारी

आउटर में 'अमृत' की धार ही नहीं जलसंकट पर विवाद, निगम मौन

राजनांदगांव। शहर में करोड़ों रूपये खर्च कर अमृत मिशन योजना के तहत लोगों को पेयजल प्रदाय किया जा रहा है। शहर के बीच इस योजना के तहत मिलने वाले जल की स्थिति तो फिर भी ठीक है लेकिन आउटर के इलाकों में लोगों को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है। इन इलाकों के रहवासियों की शिकायत है कि इस योजना के तहत नल कनेक्शन तो दिया गया है लेकिन उसमें पानी नहीं आ रहा है। स्थिति को देखते हुए पेयजल संकट वाले क्षेत्रों में निगम द्वारा टैंकर तो दिन में एक बार भेजा जाता है कि लेकिन लोगों का कहना है कि टैंकर के आते ही भारी भीड़ हो जाती है। लड़ाई झगड़े की स्थिति निर्मित होती है तथा पानी भी पर्याप्त नहीं मिल पाता है। शहर के आऊटर में स्थित नया ढाबा सहित कुछ अन्य वार्डों में अमृत मिशन योजना से कनेक्शन के बाद भी पेयजल का संकट गहराने लगा है। यहां के निवासियों ने पार्षद निगम प्रशासन एवं कलेक्टोरेट तक में गुहार लगाई है तथा अपनी समस्या से अवगत कराया है लेकिन अभी तक समस्या के स्थायी समाधान को लेकर कोई सार्थक पहल नहीं हो पाई है। टैंकर से दिन में एक बार पानी प्रदाय होता है जो जरूरत के हिसाब से पयाप्त नहीं है।

बच्चों के साथ-साथ अब वयस्कों को भी बीसीजी का टीका लगाया जाएगा

जिला स्तर से बीसीजी का टीका लगाने चलेगा अभियान तैयारियां शुरू, जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्य सम्पन्न

बेमेतरा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत एक नई पहल किया जा रहा हैं। बीसीजी का टीकाकरण अब बच्चों के साथ -साथ वयस्कों (18 वर्ष से ऊपर के वयस्कों) को भी बीसीजी (बेसिलस कैलमेट गुएरिन नामक) का टीकारण लगाया जायेगा। बीसीजी री वेक्सिनेशन पूर्व प्रशिक्षण राज्य कार्यालय से आए राज्य स्तरीय प्रशिक्षक डॉ रेणुका प्रसन्ना, डॉ अनुप्रिया दुबे एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ शरद कोहाड़े द्वारा जिला कार्यालय प्रशिक्षण हॉल सीएमएचओ कार्यालय में दिया गया। कलेक्टर रणवीर शर्मा ने जिला के स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक तैयारी का निर्देश दिए, साथ ही जरूरी कार्य योजना समय पर बनाने बोला गया है । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस आर चुरेंद्र एंव जिला स्वास्थ्य अधिकारी सह-जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ.अशोक कुमार बंसोड़, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. शरद कोहाड़े ने बताया कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 1 जुलाई से 3 सितंबर तक बीसीजी का री- वैक्सीनेशन का

चलेगा अभियान। जिसके के अंतर्गत निम्न मानदंड 18 या उसके ऊपर व्यक्ति जो निम्न मानदंड को पूरा करते हैं पहले प्राथमिकता के रूप में टीकाकरण किया जाएगा ,ऐसे व्यक्ति जिनको पिछले 5 वर्ष में एक बार भी टीबी हुवा हैं, ऐसे व्यक्ति जिनका टीबी मरीज के साथ पिछले 3 वर्ष में संपर्क हुवा हो,ऐसे व्यक्ति जिनकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक है, ऐसे व्यक्ति जो धूम्र पान करते है या पहले कभी करते थे, ऐसे व्यक्ति जो टीबी मरीजों के क्लोज कांटेक्ट में हैं, ऐसे व्यक्ति जिनको मधुमेह है, और ऐसे व्यक्ति जिनका बॉडी मास इंडेक्स 18 किलो ग्राम-प्रति वर्ग मीटर से कम हैं।मानव शरीर का सामान्य 18.5 से 25 तक होता हैं, उपरोक्त मानदंड के व्यक्ति को बीसीजी का री-वेक्सिनेशन किया जाना हैं। लक्ष्य के मुताबिक राज्य को टीबी रोग से मुक्त दिलाने के लिए यह पहल किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में खंड चिकित्सा अधिकारी बेरला डॉ.जितेन्द्र कुंजाम, बीएमओ नवागढ़ डॉ.एमएम रजक, जिला डाटा मैनेजर, जिला स्ट्रोर प्रभारी टीकाकरण, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर लोकेश साहू, यशवंत चंद्राकर, पंकज कुमार आडिल, चंद्र कुमार देवांगन, ब्लॉक डाटा मैनेजर विष्णु चंद्राकर, तेज साहू रवि कुमार डाण्डे, ब्लॉक-वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक पूरन दास, प्रमोद साहू, गिरधर देवांगन, दिनेश साहू, यशवंत भारद्वाज, सम्पति बंजारे, सतीश सेन, अनुराधा तिवारी, मितानिन कार्यक्रम के जिला समन्वयक ललिता मेरावी, देवेंद्र नामदेव, भूमिका वर्मा, सुनील पात्रे सहित समस्त अधिकारी-कर्मचारी उपस्थिति थे।

अटल आवास में निवासरत परिवारों की समस्या को सुने नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक

- जेसीबी व पालिका सफाई कर्मचारी की मदद से सफाई कार्य कराया गया

कवर्धा। नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक ने कवर्धा शहर के वार्ड क्रमांक 17 स्थित घुघरी अटल आवास में पहुंचकर साफ -सफाई कार्यों का जायजा लिया व उनकी समस्याओं को सुना। वार्ड क्रमांक 17 घुघरी अटल आवास में निवासरत परिवार लोगो ने बताया कि सफाई नहीं होने के कारण बदबू से परेशान रहते हैं जिसके कारण लोग भी बीमार हो रहे हैं तत्काल साफ-सफाई करने की जरूरत है नपा अध्यक्ष मनहरण कौशिक ने उनके बातों व समस्याओ को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जेसीबी व सफाई कर्मचारियों की मदद से अटल आवास परिसर का साफ सफाई कराया गया। साफ-सफाई हो जाने से वहाँ निवासरत परिवारों ने नगर पालिका टीम को धन्यवाद दिया। साथ में भाजपा कार्यकर्ता चीकू सिन्हा भी उपस्थित रहे।

गंगानगर नाले की हुई सफाई-

नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक ने बताया कि डिप्टी सीएम विजय शर्मा के नेतृत्व में कवर्धा शहर का विकास होगा। गंगानगर से होकर गुजरने वाले गुरुनाला का साफ सफाई कराया गया । विभिन्न वार्डो में निर्मित छोटी बड़ी नालियों से होकर बहने वाली पानी बड़े गुरु नाला में आकर मिलता है गुरुनाला में जलीय पौधे निकल आये है साथ मलबे को फेंक दिया गया है जिसके कारण नाला पट चुका था जिसका साफ सफाई किये जाने हेतु आज नाला में जेसीबी मशीन को उतारकर सफाई कार्य कराया गया।

दंतैल हाथियों से रहें दूर, वन विभाग ग्रामीणों को कर रहा सतर्क

बलरामपुर। वन मंडल बलरामपुर के राजपुर वन परिक्षेत्र के बीट रेवतपुर खोखनिया, जामदोहर कुंदी, बडोली, चाची, धंधापुर, अखौरा जवाखार में तीन नर दतैल जंगली हाथी लगातार विचरण कर रहे हैं। हाथियों से ग्रामीणों को दूरी बनाए रखने एवं सावधान रहने की समझाईस देते उप वन मण्डलाधिकारी राजपुर रविशंकर श्रीवास्तव एवं वन परिक्षेत्राधिकारी महाजन लाल साहू राजपुर मय स्टाफ सहित लगातार हाथी प्रभावित क्षेत्र में दौरा कर लोगों को समझाइश दे रहे हैं की जिस रास्ते से हाथी जा रहे हैं उनके रास्ते में अवरोध उत्पन्न ना करें। पटाखा ना फोड़े उनके सामने टॉर्च ना जलाएं, इससे हाथी उग्र हो जाते है जिससे वे अप्रिय घटना को अंजाम देते है जो दुखदाई होता है। तेंदू पत्ता संग्रहण करने वाले ग्रामीणों आमजनों को जिस इलाके में हाथी विचरण कर रहे हैं उस तरफना जाएं तथा हाथियों से दूरी बनाए रखें । लगातार सलाह दे रहे हैं, वन अधिकारियों द्वारा बताया जा रहा है की सरकार द्वारा नियम बनाए गए हैं। उचित मुवावजा भी दिया जाता है जन हानि, धन हानि होने पर अधिकारियों का पूरा प्रयास रहता है की जन हानि ना होने पाए इसलिए हाथियों से उचित दूरी बनाए रखें।

चेतावनी के बाद भी कार्य धीमी गति पर, जेके कंस्ट्रक्शन को नोटिस

रिसाली। चेतावनी के बाद भी निर्माण कार्य धीमी गति से करने पर आयुक्त मोनिका वर्मा नाराजगी जाहिर की। उन्होंने जेके कंस्ट्रक्शन को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। आयुक्त मोनिका ने निगम क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण की। दरअसल जेके कंस्ट्रक्शन को समय सीमा में कल्याणी मंदिर के सामने चल रहे सामुदायिक भवन निर्माण कार्य को पूर्ण करने निर्देश निगम ने जारी किया था। निरीक्षण के दौरान खुलासा हुआ कि जिस गति से निर्माण कार्य चल रहा है, वह मानसून के पहले पूरा नहीं हो सकता। इसे देख आयुक्त ने लापरवाह ठेकेदार को नोटिस जारी करने निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त वार्ड 30 , स्टेशन मरोदा और नेवई में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण की। आयुक्त मोनिका मार्निंग विजिट में पहले वार्ड 30 लक्ष्मी नगर पहुंची। यहां 20 लाख की लागत से कर्मा माता चौक का निर्माण किया जा रहा है। आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान कार्य को 15 जून से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए।

वेस्ट मटेरियल से बनाए शेड

इस बीच आयुक्त टंकी मरोदा एस एल आर एम सेंटर पहुंची। कचरा अलग अलग करने स्वास्थ्य विभाग ने शेड निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। आयुक्त ने हर डिमांड के लिए पैसे खर्च करने बल न देकर जुगाड से शेड बनाने कहा। उन्होंने कहा कि कार्यालय में रखे पुराने पाइप और टीन शेड का उपयोग कर शेड बनाया जाए।

अमेज़न ने भारतीय स्टार्टअप्स को ग्लोबल मार्केट्स में लॉन्च करने के लिए प्रोपेल के चौथे सीज़न की घोषणा की

रायपुर। अमेज़न इंडिया ने आज प्रोपेल के चौथे सीज़न के लॉन्च की घोषणा की, जो कंस्यूमर प्रोडक्ट खंड में स्टार्टअप के लिए एक ग्लोबल बिज़नेस एक्सेलरेटर जैसा है। यह अपनी तरह का अनूठा कार्यक्रम है जिसे उभरते भारतीय ब्रांडों और स्टार्टअप को ईकॉमर्स एक्सपोर्ट्स के ज़रिये दुनिया भर के ग्राहकों तक पहुंचने के लिए समर्पित रूप से सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। प्रोपेल एस4 अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में लॉन्च होने वाले 50 स्टार्टअप तक का समर्थन करेगा और भारत से ग्लोबल ब्रांड तैयार करेगा। इसमें भाग लेने वाले स्टार्टअप कुल 1.5 मिलियन डॉलर से अधिक के पुरस्कार जीतेंगे, जिसमें एडब्ल्यूएस एक्टिवेट क्रेडिट, छह महीने की मुफ्त लॉजिस्टिक्स और खाता प्रबंधन सहायता, साथ ही शीर्ष 3 विजेताओं के लिए अमेज़न से संयुक्त रूप 100,000 डॉलर का अनुदान शामिल है। अमेज़न इसमें भाग लेने वाले स्टार्टअप को भारतीय रेवेन्यू-आधारित-फाइनेंसिंग फर्मों जैसे क्लब, वेलोसिटी और गेटवेंटेज से जुड़ने में भी मदद करेगी जो प्रतिभागी स्टार्टअप को बड़े पैमाने पर अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए क्यूरेटेड ऑफर प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम के लिए आवेदन आज से शुरू हो गए हैं और 9 जून, 2024 को बंद हो जाएंगे। इसका समापन एक डेमो-डे में होगा, जहां प्रतिभागियों को अग्रणी वीसी फर्मों के सामने अपने व्यावसायिक प्रस्ताव पेश करने और अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए फंडिंग का मौका मिलेगा। प्रोपेल एस4 के हिस्से के रूप में, अमेज़न ने एक मेंटरशिप बोर्ड का गठन किया है जिसमें अमेज़न नेतृत्व, वीसी भागीदार और उद्योग जगत के वरिष्ठ नेतृत्व शामिल होंगे, जो उभरते ब्रांडों के साथ जुड़ेंगे और उन्हें ग्लोबल मांग पैटर्न पर अनुरूप संसाधन, 1:1 मेंटरशिप तथा कार्यशालाओं और ईकॉमर्स के ज़रिये सफल निर्यात व्यवसाय निर्माण पर अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे। अमेज़न अनुभवी उद्यमियों और प्रोपेल पूर्व छात्रों को भाग लेने वाले स्टार्टअप नेटवर्क की मदद करने और उनके मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र से सीखने में मदद करने के लिए सहकर्मी शिक्षण पर केंद्रित सत्रों की भी मेज़बानी करेगी।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय में प्रवेश हेतु लॉटरी 14 को

सरायपाली। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में शिक्षा सत्र 2024-25 हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई थी एवं प्रवेश हेतु लॉटरी 14 मई को विद्यालय में प्रातः 8 बजे से प्रारम्भ की जावेगी। प्राचार्य मनोज कुमार पटेल ने बताया कि प्रवेश हेतु अंतिम तिथि के पश्चात् कक्षा 1 से 12 तक की कक्षाओं में रिक्त सीटों के विरुद्ध 358 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी के पश्चात् पात्र -अपात्र अभ्यर्थियों की सूची विद्यालय के सूचना पटल पर चस्पा कर दिया गया है जिसका है अवलोकन विद्यालयिन समय में किया जा सकता है। प्रवेश हेतु लॉटरी प्रक्रिया 14 मई को की जावेगी जिसके लिए प्रभारी अधिकारी - विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद्र मांझी, समन्वयक - विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार पटेल, सदस्य - संकुल समन्वयक कामता पटेल, शासकीय सेवक पालक सदस्य - चम्पालाल डडसेना एवं अजय प्रधान, विद्यालय शिक्षक सदस्य हरीश चौधरी एवं गजानन प्रधान होंगे। लॉटरी हेतु समस्त पालकगण एवं विद्यार्थी आमंत्रित रहेंगे।

पुलिस ने धोखाधड़ी के अपराध में दो ट्रक ड्रायवर, वाहन मालिक, ट्रांसपोर्टर, कबाड़ी समेत 05 आरोपियों को किया गिरफ्तार

प्लांटों में सप्लाई होने वाले पैलेट गोली में मिट्टी, डस्ट के मिलावट पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायगढ़। पूंजीपथरा पुलिस ने स्थानीय प्लांटों में सप्लाई होने वाले पैलेट गोली में मिट्टी और डस्ट मिलावट के शिकायत पर सूक्ष्मता और विस्तृत जांच कर इस अवैध कारोबार में शामिल दो ट्रक ड्रायवर, वाहन मालिक, ट्रांसपोर्टर और एक कबाड़ी को गिरफ्तार किया है जिन्हें धोखाधड़ी के अपराध में पुलिस ने रिमांड पर पेश कर जेल भेजी है।

थाना पूंजीपथरा में स्थानीय स्केनिया स्टील्स एण्ड पावर लिमिटेड कंपनी के एचआर संजीव साहू द्वारा आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराये कि सात मई को डैच् स्टील एण्ड पावर लिमिटेड जामगांव से वाहन में 48.890 मैट्रिक टन पैलेट गोली चालक राजू कुमार एवं वाहन 7431 में 51.080 मैट्रिक टन पैलेट गोली चालक प्रकाश यादव के द्वारा संतोषी रोड लाईन्स जूटमिल

रोड रायगढ़ के माध्यम से स्केनिया प्लांट के लिए रवाना किया गया था। 08 मई को दोनों वाहन प्लांट पर अनलोडिंग किया गया। जिसे चेक करने पर वाहन में लोड़ पैलेट गोली में मिट्टी, डस्ट मिला हुआ था। आवेदन पर थाना पूंजीपथरा में दोनों ड्रायवरों पर धारा 407,420 आईपीसी दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग कुमार पटेल के दिशा निर्देशन पर थाना प्रभारी पूंजीपथरा निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी द्वारा मामले की विस्तृत जांच क्रम में फरार वाहन चालक राजू कुमार और प्रकाश यादव को तत्काल पतासाजी कर हिरासत में लिया गया जिनसे पूछताछ करने पर वे बताये कि वाहन स्वामी बिपिन सिंह, ट्रांसपोर्टर धीरज सिंह और स्केनिया प्लांट के लैब असिस्टेंट साकेत गुप्ता की मिली भगत से ट्रक में लोड पैलेट गोली को डनसेना ढाबा चिराईपानी के पास लाकर ढाबा संचालक छबि सिदार से मिलकर दोनों वाहनों से 5-5 टन पैलेट गोली जुमला 10 टन निकाले और उसके स्थान पर मिट्टी और डस्ट मिलाकर कांटा से वजन बराबर कराकर वाहन को प्लांट में अनलोड कर भाग गए थे। आरोपियों से 10 टन पैलेट गोली कीमती 1,30,000 रुपए का जप्त कर रिमांड पर भेजा गया है। आरोपी प्लांट का लैब असिस्टेंट साकेत गुप्ता फरार है। पुलिस सरगामी से आरोपी की पतासाजी कर रही है।

ये हैं गिरफ्तार आरोपी-राजू कुमार कहार पिता स्वर्गीय हरि कहार उम्र 36 साल निवासी हरिगंवा थाना कांडी जिला गढ़वा (झारखंड) ओमप्रकाश यादव पिता हरे राम यादव उम्र 28 साल निवासी गिधा थाना दावत जिला रोहतास (बिहार) बिपिन सिंह पिता स्वर्गीय रासो सिंह उम्र 49 वर्ष निवासी कैराकादो थाना खैरा जिला जमुई (बिहार) धीरज सिंह पिता बिपिन सिंह उम्र 25 साल निवासी कैराकादो थाना खैरा जिला जमुई (बिहार) छबिलाल सिदार पिता स्वर्गीय जतक राम सिदार उम्र 35 साल निवासी खैरपुर थाना कोतरारोड़ जिला रायगढ़।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

सेहत

रायपुर, बुधवार 15 मई 2024

पके कटहल से दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं.

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

हार्ट के साथ-साथ शरीर के लिए भी फायदेमंद होगी ये एक्सरसाइज

कोई भी बीमारी सेहत के लिए अच्छी नहीं होती। इन दिनों खराब लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए अच्छी डाइट और व्यायाम करना बहुत ही जरुरी है। एक्सरसाइज करने से आपका शरीर एकदम फूर्तीला रहता है और आप बीमारियों से भी दूर रहेंगे। आज आपको कुछ ऐसी एक्सरसाइज बताएंगे जो आपके हार्ट के साथ-साथ आपके स्वस्थ शरीर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होगी। तो चलिए जानते हैं उनके बारे में.

कार्डियो एक्सरसाइज करें

हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्डियो एक्सरसाइज को अपनी डेली रुटीन में शामिल कर सकते हैं। इसमें जॉगिंग, साइकिलिंग और वॉक भी शामिल हैं। इससे आपके हृदय की गति तेज होगी और साथ में हृदय की मांसपेशियों की भी एक्सरसाइज होगी।

स्ट्रेचिंग और वेट लिफ्टिंग

आप अच्छे स्वास्थ्य और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग भी कर सकते हैं। स्ट्रेचिंग करने से आपके शरीर में लचीलापन आता है। साथ ही वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज करने से आपका वजन कंट्रोल में रहता है और शरीर में ताकत भी आती है। वेट लिफ्टिंग एक्सरसाइज में आप पुशअप्स, स्क्वैट्स, पुलअप्स जैसी एक्सरसाइज को अपनी रुटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करें

जंपिंग जैक एक्सरसाइज आपके हेल्दी हार्ट के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इससे आपका हृदय स्वस्थ रहता है। इससे हृदय की गति भी बहुत अच्छे से होती है।

- सबसे पहले आप सीधे खड़े हो जाएं।
- इसके बाद ऊपर की ओर उछलें और अपने हाथों को भी ऊपर उठा लें।
- हाथ उठाने के बाद पैरों को भी फैला लें।
- ऐसे ही 10-15 मिनट तक करें और फिर नीचे नार्मल पॉजिशन में आ जाएं।

हर्डल जंप करें

आप हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आप हर्डल जंप एक्सरसाइज भी कर सकते हैं। इसमें आप किसी हर्डल को लेकर उसके ऊपर से जंप करें। आप डंबल, बॉक्य या फिर किसी स्टेपर का हर्डल के रुप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इन चीजों को आप उछल कर पार करें। इस एक्सरसाइज से आपकी हार्ट बीट तेज होगी। हार्ट बीट तेज होने से आपका दिल मजबूत बनेगा।

बर्पी एक्सरसाइज करें

बर्पी एक्सरसाइज आपकी बाजुओं , टांगों और छाती के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है। इस एक्सरसाइज में स्क्वाट, पुशअप, जंपिंग तीनों चीजें एकसाथ की जाती है। यह तीनों एक्सरसाइज आपको एक सैट में ही करनी पड़ती हैं। इस एक्सरसाइज से आपकी हृदय गति तेज होगी और दिल की धड़कन एकदम नॉर्मल हो जाएगी।

नुकसानदेह भी है सरसों

विशेषज्ञों के अनुसार, चाहे वह सरसों का तेल हो, पेस्ट हो या फिर कच्ची पत्तियां सभी हेल्दी मिनरल्स से भरपूर हैं। यह ओमेगा 3 फैटी एसिड का भी बेहतरीन स्त्रोत है और इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। लेकिन अगर आप जरूरत से ज्यादा सरसों का सेवन करते हैं, तो इससे स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। कई स्थितियों में यह जानलेवा तक साबित हो सकती है। अगर आप भी लंबे समय से सरसों के तेल या बीज का सेवन कर रहे हैं, तो आपको इसके साइड इफेक्ट्स के बारे में जरूर जानना चाहिए।

राइनाइटिस का खतरा

सरसों के तेल के लगातार सेवन से कई लोगों को राइनाइटिस हो सकता है। राइनाइटिस में बलगम की झिल्ली में सूजन हो जाती है, जिससे खांसी, छींकना, भरी हुई नाक, नाक से पानी बहाना जैसी समस्याएं शुरू हो सकती हैं।

लंग कैंसर के लिए जिम्मेदार

सरसों के तेल में पाया जाने वाला इरूसिक एसिड फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाता है।

ड्रॉप्सी रोग

ड्रॉप्सी एक खतरनाक रोग है। यह रोग तेल में पूड़ी, कचौड़ी और पकवान बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए सरसों के तेल में अर्जीमोन तेल के मिलावट, सायनाइड के मिलावट के कारण ड्रॉप्सी की संभावना ज्यादा रहती है। इसका उपयोग करने से गुर्दे, ह्रदय, आदि अंग कमजोर हो जाते हैं। इससे सादा पानी भी पचता नहीं है और शरीर में दूषित पानी जमा होने लगता है, जिससे पेट फूलने की शिकायत होती है। इस रोग से ग्रसित व्यक्ति के हाथ पैर फूल जाते हैं।

एलर्जी की समस्या

अगर आप अपने खाने में अधिक मात्रा में सरसों के दाने या तेल का सेवन करते हैं, तो एलर्जी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि सरसों से होने वाली एलर्जी सबसे गंभीर एलर्जी में से एक है। दरअसल, इसके सेवन से हिस्टामाइन में वृद्धि के साथ एनाफिलेक्टिक शॉक भी हो सकता है। पित्ती और त्वचा पर दाने, सांस फूलना, चक्कर आना, उल्टी, गले, चेहरे और आंखों में सूजन इसके मुख्य लक्षण हैं।

दिल के रोग का खतरा

आज भी कई घरों में सरसों के तेल में खाना बनाया जाता है। लेकिन सच मानिए तो हर दिन इसका इस्तेमाल दिल की सेहत के लिए अच्छा नहीं है। क्योंकि इसमें इरूसिक एसिड बहुत ज्यादा होता है, जो दिल के लिए खतरा पैदा करता है। सरसों के अधिक उपयोग से मायोकार्डियल पिलिडोसिस की समस्या हो सकती है। जिसमें ट्राइग्लिसराइड के बनने के कारण हृदय की मांसपेशियों के मायोकार्डियल फाइबर में फाइब्रोटिक घाव विकसित होते हैं। जो हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचाने के साथ हार्ट फेलियर के लिए भी जिम्मेदार होते हैं।

भारतीय खानों में अक्सर सरसों के तेल के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सरसों का तेल भारतीय मौसम के हिसाब से सेहत और सुंदरता के लिए फायदेमंद माना जाता है। यहां तक कि आयुर्वेद में भी सरसों के तेल का इस्तेमाल कई दवाइयों और उपचार में किया जाता है। सरसों के बारे में हर कोई जानता है। यह भारतीय किचन में मसाले के रूप में उपयोग होने वाली मुख्य सामग्री है। इसका इस्तेमाल अक्सर किसी खास रेसिपी बनाने या तडक़ा लगाने के लिए किया जाता है। इतना ही नहीं सरसों के तेल का इस्तेमाल भी भारतीय घरों में खूब होता है। बेहतरीन स्वाद और स्वास्थ्य लाभों के लिए लोग अलग-अलग तरह से इसका उपयोग करते हैं।

गर्मी में रखें अपनी आंखों को सुरक्षित

पूरे भारत में गर्मी का हाल बेहाल है। बढ़ती गर्मी के कारण व्यक्ति कई प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहा है। इनमें मुख्य है त्वचा सम्बन्धी रोग और दूसरा है नेत्र सम्बन्धी रोग। दिन-ब-दिन तापमान बढ़ता जा रहा है और भीषण गर्मी असहनीय होती जा रही है। ऐसे में लोग गर्मी से अपना बचाव करते हैं। हम अपने शरीर को ऊपर से नीचे तक कपड़े और सनस्क्रीन से ढक सकते हैं, लेकिन हमारी आंखों को हम सुरक्षित नहीं कर पाते। गर्मी की वजह से शरीर से ज्यादा तकलीफ हमारी आँखों को होती है। आंखें न केवल हानिकारक यूवी किरणों के सम्पर्क में आती हैं बल्कि गन्दगी, प्रदूषण से भी प्रभावित होती हैं। हम कुछ ऐसे उपाय बताने जा रहे हैं जिनका उपयोग करके वे अपनी आँखों को इस भीषण गर्मी में संक्रमित होने से बचा सकते हैं।

धूप का चश्मा

जिस तरह आप अपने शरीर को कपड़ों से ढकते हैं, दस्ताने से लेकर टोपी तक, उसी तरह आपकी आंखों की सुरक्षा भी महत्वपूर्ण है। अपने घर से बाहर निकलते समय, यूवी किरणों को सीधे अपनी आंखों में प्रवेश करने से रोकने के लिए आपको सन ग्लास अर्थात धूप का चश्मा अपनी आँखों पर लगाना चाहिए।

कम से कम 8 घंटे सोएँ

गर्मी के दिनों में प्रयास करके अपनी आंखों को पूरा आराम दें। इसके लिए जरूरी है कि आप कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें। आठ घंटे की नींद लेने न केवल आपकी आँखें पूरी तरह से सुरक्षित रहती हैं अपितु यह आपके शरीर को भी पूरा आराम प्रदान करता है। साथ ही आपके इम्युनिटी पावर को भी बरकरार रखता है।

ठंडे पानी से बार बार आंखें धोएं

अपनी आंखों को ठंडा रखने के लिए उन्हें ठंडे पानी से बार-बार धोने की कोशिश करें। ठंडा पानी आंखों से गर्मी को दूर करने में मदद करता है और उन्हें बेहतर महसूस कराता है। अपनी आंखों को लुब्रिकेट करें हमारी आंखें नमी खो देती हैं और सूखी और खुजलीदार हो जाती हैं। ऐसे में ढेर सारा पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखना चाहिए। जो लोग ऑफिस में लगातार कम्प्यूटर के सामने बैठकर काम करते हैं उन्हें अपनी आँखों को लेकर संजीदगी बरतनी चाहिए। उन्हें कम्प्यूटर पर काम शुरू करने से पहले अपनी आँखों को आई ड्रॉप्स से धोना चाहिए। आठ से दस घंटे लगातार कम्प्यूटर पर काम करने वाले लोगों को ऐसा कम से कम 3 बार करना चाहिए। आँखों में आई ड्रॉप्स डालने से आँखों की चिकनाई बरकरार रहती है।

आंखों पर सनस्क्रीन का प्रयोग करने से बचें

अधिकांश युवा अपने चेहरे को सन स्क्रीन से बचाने के लिए क्रीम का प्रयोग करते हैं। इस क्रीम को लगाते वक्त वे उसको पलकों और भौंह पर भी लगा देते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं तो यह गलत है। आपको अपनी पलकों या आँखों पर सनस्क्रीन लगाने से बचाव करना चाहिए, क्योंकि इससे वे लाल और खुजलीदार हो सकते हैं।

जड़ से खत्म होगा गठिया का दर्द

आर्थराइटिस पेन को गठिया का दर्द भी कहा जाता है। जिसे कम करने के लिए कुछ चीजों का सेवन करना चाहिए। शोधों में इन फूड्स को दर्द और इंफ्लामेशन से छुटकारा दिलाने वाला पाया गया है।

बुढ़ापे के साथ जोड़ों का दर्द भी आना आम बात है। इस रोग को गठिया या आर्थराइटिस भी कहा जाता है। उम्र के साथ घुटनों, कोहनी आदि हड्डी के जोड़ों की मूवमेंट कम होने लगती है और इंफ्लामेशन बढ़ने लगती है। जिसकी वजह से सूजन, दर्द, अकड़न जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इस बीमारी में कुछ एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स रामबाण साबित हो सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में दर्द को कम करने वाली शक्ति होती है। इसलिए घर के बड़े-बुजुर्गों को इन चीजों का सेवन जरूर करवाएं।

सेब है गठिया का इलाज

सेब खाकर गठिया के दर्द से राहत पाई जा सकती है। क्योंकि, इसे मोटापे से आई सूजन व इंफ्लामेशन को कम करने में मददगार देखा गया है। जिससे मोटापे के शिकार लोगों में जोड़ों के दर्द में भी कमी देखी गई।

खाने में अच्छी तरह डालें अदरक और हल्दी

अदरक और हल्दी को आयुर्वेद में कई रोगों की दवा माना जाता है। क्योंकि यह एंटी-इंफ्लामेटरी गुणों का भंडार हैं। इन्हें औषधि या भोजन के रूप में लेने पर दर्द, सूजन आदि लक्षणों से राहत पाई जा सकती है।

मशरूम है लाभदायक

मशरूम के अंदर फेनोलिक, इंडोलिक, मायकोस्टेरोइड्स, फैटी एसिड, कैरोटेनोइड्स, विटामिन और बायोमेटल जैसे कई सारे एंटी-इंफ्लामेटरी कंपाउंड होते हैं। यह सभी तत्व आर्थराइटिस के इलाज में मदद करते हैं।

स्ट्रॉबेरी, क्रैनबेरी, ब्लैकबेरी

सभी बेरीज में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है। आर्थराइटिस फाउंडेशन के मुताबिक, इनमें गठिया से लड़ने वाले गुण होते हैं।

अनार खाने के फायदे

अनार के अंदर टैनिन काफी मात्रा में होते हैं। इनमें एंटी-इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं। जो घुटनों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं। इसलिए गठिया के मरीजों के लिए इसका सेवन फायदेमंद माना जाता है

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 15 मई 2024

छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् मुख्य परीक्षा परिणाम की घोषणा आज

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा वर्ष 2024 की कक्षा पूर्व मध्यमा प्रथम वर्ष (9वीं) से उत्तर मध्यमा द्वितीय वर्ष (12वीं) के परीक्षा परिणामों की घोषणा 15 मई बुधवार को दोपहर 12.30 बजे की जाएगी। सचिव छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् रायपुर द्वारा परीक्षा परिणाम की घोषणा विद्यामंडलम् पेंशनबाड़ा माध्यमिक शिक्षा मंडल कैम्पस रायपुर में की जाएगी। छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्यामंडलम् से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2023-24 में कुल 41 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे, जिसमें 3505 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

संस्कृति गौतम का सुयश, 12वीं बोर्ड में मिले 90 प्रतिशत अंक

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार एवं छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अमित गौतम की सुपुत्री कु.संस्कृति गौतम ने 12वीं सीबीएसई की परीक्षा में कॉमर्स विषय में 90 प्रतिशत अंक लाकर द्रोणाचार्य पब्लिक स्कूल रायपुर सहित पूरे परिवार को गौरवान्वित किया। कु. संस्कृति शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही है साथ ही मार्शल आर्ट में ब्लैक बेल्ट की डिग्री के साथ राष्ट्रीय स्तर पर उसने मेडल भी अर्जित किया है। इसके पूर्व भी संस्कृति के बड़े भाई संकल्प गौतम ने 12वीं सीबीएसई कॉमर्स में डीपीएस राजनांदगांव में प्रथम स्थान किया था। संस्कृति की उपलब्धि पर परिजनों सहित इष्ट मित्रों ने बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्राची जैन (काला) ने 12वीं सीबीएसई बोर्ड में प्राप्त किये 94 प्रतिशत अंक

रायपुर (विश्व परिवार)। फाफडीह रायपुर निवासी श्री प्रभुदयाल जी काला की सुपौत्री एवं श्री दिनेश-ज्योती काला कि सुपुत्री तथा भवन्स शारदा विधा मंदिर स्कूल की होनहार छात्रा प्राची जैन (काला) ने कक्षा 12वीं सीबीएसई बोर्ड में 94 प्रतिशत प्राप्त किए एवं सभी विषयों में सम्माननीय अंक हासिल किए। प्राची की इस सफलता ने विद्यालय व पूर्ण रायपुर एवं जशपुर जैन समाज का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर काला परिवार के सभी सदस्यों व इष्ट मित्रों ने प्राची को बधाई एवं आर्शीवाद प्रदाय किया, प्राची ने अपनी सफलता का श्रेय आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज व वात्सल्य मूर्ति मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के आर्शीवाद एवं अपनी कड़ी मेहनत को दिया। प्राची के उज्जल भविष्य की मंगल कामना।

सीबीएसई बोर्ड का परीक्षा में एकलव्य विद्यालय के विद्यार्थियों का रहा उत्कृष्ट प्रदर्शन

राजनांदगांव (विसं)। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। जिसमें एकलव्य विद्यालय राजनांदगांव के कक्षा 10वीं में 98.24 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं में 93.47 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए हैं। राज्य में संचालित एकलव्य विद्यालयों में एकलव्य राजनांदगांव के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है। कक्षा 10वीं में शामिल 57 विद्यार्थी में से 43 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी, 11 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं एवं एक विद्यार्थी को पूरक दिया गया है। वहीं कक्षा 12वीं में शामिल 46 विद्यार्थी में 19 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी, 23 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं एवं 3 छात्र को पूरक दिया गया है।

विज्ञापन एजेंसियां होर्डिंग्स की स्ट्रक्चरल जांच कराकर एक सप्ताह में नगर निगम को सौंपेंगी रिपोर्ट

मुंबई जैसा हादसा रायपुर में न हो, सुनिश्चित करें विज्ञापन एजेंसियां : अबिनाश मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर नगर निगम के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने शहर में सुरक्षित ढंग से होर्डिंग्स लगाए जाने को लेकर विज्ञापन एजेंसियों के संचालकों और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी विज्ञापन एजेंसियों को अपने द्वारा लगाई गई होर्डिंग्स के स्ट्रक्चर की जांचकर नगर निगम को इनकी रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए।

रायपुर नगर निगम के आयुक्त ने ली विज्ञापन एजेंसियों और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

उन्होंने बैठक में कहा कि मुंबई जैसा हादसा रायपुर में न हो, यह विज्ञापन एजेंसियां सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि मुंबई में आंधी में एक प्रचार होर्डिंग के गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 74 लोग इसमें घायल हुए हैं। नगर निगम आयुक्त ने रायपुर में इस तरह की घटना को रोकने सभी विज्ञापन एजेंसियों की भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा।

आयुक्त श्री मिश्रा ने रायपुर नगर निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में मौजूद 90 से अधिक विज्ञापन एजेंसियों के संचालकों एवं प्रतिनिधियों को अपने द्वारा लगाई गई होर्डिंग्स की स्ट्रक्चरल जांच कराकर एक सप्ताह के भीतर सभी होर्डिंग्स की स्ट्रक्चरल जांच से संबंधित प्रमाण पत्र नगर निगम के नगर निवेश विभाग को सौंपने को कहा। उन्होंने होर्डिंग्स से किसी भी प्रकार का कोई अप्रिय हादसा रायपुर शहर में न हो, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने होर्डिंग्स गिरने या किसी भी तरह की दुर्घटना से बचाव के लिए सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय करने को कहा।

रायपुर नगर निगम क्षेत्र में विज्ञापन नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी बैठक में चर्चा हुई। इस संबंध में एजेंसियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। नगर निवेशक श्री निशिकांत वर्मा, सहायक अभियंता श्री आशुतोष सिंह और उप अभियंता श्री विकास साहू भी बैठक में मौजूद थे।

होम वोटिंग, पोस्टल बैलेट के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले मतदान दल हुए सम्मानित

रायपुर (आरएनएस)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ गौरव कुमार सिंह ने कलेक्टर सभाकक्ष में लोक सभा चुनाव में पोस्टल बैलेट एवं ETPBS के माध्यम से मतदान में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डॉ सिंह ने अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि मतदान निर्वाचन प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है। निर्वाचन आयोग में 85 वर्ष से अधिक बुजुर्ग, दिव्यांग मतदाताओं के लिए होम वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई थी, उसे हमारे दल ने घर-घर जाकर बखूबी निर्वाहन किया। इनके कार्य को देखकर बुजुर्गों-दिव्यांग मतदाताओं ने उत्साह के सिथ इसमें हिस्सा लिया। जिले के इस कार्य को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सराहा गया। इसी प्रकार अधिकारियों कर्मचारियों के लिए बनाये गए सुविधा केंद्र को छत्तीसगढ़ की संस्कृति की थीम पर बनाया गया। इससे प्रोत्साहित होकर बडी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी ने मतदान किया।

बीजापुर में 30 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा- समाज की मुख्यधारा में स्वागत है

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद नक्सल मोर्चे में बिल्कुल सकारात्मक रवैया अपनाया जा रहा है। गृहमंत्री विजय शर्मा के कमान संभालने के बाद कई रणनीतिक बैठको के परिणामस्वरूप ही नक्सल मोर्चे में अब सफल हुई है। आज सरकार के आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर बीजापुर जिले के 30 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर लिखा है-बंदूक की नली से विकास का प्रकाश नहीं हो सकता। इस बात को अब नक्सल विचारधारा से जुड़े बस्तर के भटके हुए लोग भी समझने लगे हैं और हमारी सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा में लौटने लगे हैं। इस क्रम में आज बीजापुर के 30 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इनमें से कई ईनामी माओवादी भी रहे हैं। समाज की मुख्यधारा में इनका स्वागत है।

प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आने के बाद से नक्सल मोर्चे पर काफी सकारात्मक चीजें दिख रही हैं। विशेषकर मुख्यमंत्री श्री साय और गृह मंत्री श्री शर्मा को इस बात का श्रेय दिया जा सकता है कि उन्होंने यह समझा कि नक्सलवाद एक ऐसा कैंसर है जिसे जब तक जड़ से न मिटाया जाए, यह उभरता ही है। इसलिए मांद में जाकर कैंप खोले गये और जवानों का हौसला बढ़ाया गया। आज इसके नतीजे जो आये हैं वो बस्तर की शांति और अमन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

गृहमंत्री ने इस बात को हमेशा दोहराया है कि हम लोग बस्तर में अमन के लिए प्रतिबद्ध हैं। बस्तर के लोगों को साफ पानी मिले, बिजली मिले, विकास का लाभ पहुंचे। हम संवाद करना चाहते हैं। वे चाहे समूह में करें, प्रतिनिधियों के माध्यम से करें।

सीबीएसई के नतीजों में आदर्श विद्यालय टाटीबंध रायपुर का परचम लहराया

रायपुर (विश्व परिवार)। शैक्षणिक उत्कृष्टता के उल्लेखनीय प्रदर्शन में, रायपुर केरल समाजम द्वारा प्रबंधित आदर्श विद्यालय इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, टाटीबंध ने 2023-24 शैक्षणिक सत्र के लिए सीबीएसई कक्षा दसवीं और बारहवीं परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं। बारहवीं कक्षा में, राजदीप सिंह ने 89 प्रतिशत के प्रभावशाली स्कोर के साथ वाणिज्य वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। ध्रुव शुक्ला जीवविज्ञान वर्ग में 87 प्रतिशत के उत्कृष्ट स्कोर के साथ अग्रणी बनकर उभरे, जबकि श्रेयांश शुक्ला ने 85 प्रतिशत के उत्कृष्ट स्कोर के साथ गणित वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

इस बीच, दसवीं कक्षा के नतीजों में अनुश्री तिवारी 93.2 प्रतिशत के असाधारण स्कोर के साथ शिखर पर पहुंच गई। कृति सिंह ने प्रभावशाली 92 प्रतिशत के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और खुशी मेव ने 89.4 प्रतिशत स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। कई अन्य छात्रों ने भी विभिन्न विषयों में विशिष्टता हासिल की, जो संस्थान की समग्र उत्कृष्टता को दर्शाता है।

आदर्श विद्यालय इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल अमीर बी सुल्तान द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि आदर्श विद्यालय, टाटीबंध का प्रबंधन और कर्मचारी सभी छात्रों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य की कामना करते हैं।

12 मई अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर विशेष : राजधानी में संस्था 2050 हेल्थकेयर ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

रायपुर (विश्व परिवार)। संस्था 2050 हेल्थकेयर ने आज अपने अग्रोहा कॉलोनी, चंगोराभाटा स्थित केंद्र पर अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस सेलिब्रेशन का आयोजन किया। इस अवसर पर संस्था के द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 21 नर्सिंग स्टाफ को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि नर्सिंग का स्वास्थ सेवा के क्षेत्र में विश्व में मातृवत स्थान है। आज नर्सिंग दिवस पर सारी दुनिया उनकी ऋणी है।

संस्था के मैनेजर अरिहंत जैन ने बताया कि संस्था 2050 हेल्थकेयर विगत 3 वर्षों से छत्तीसगढ़ प्रांत में रिहैबिलिटेशन सेंटर एवं होम हेल्थ केयर के द्वारा स्ट्रोक, कैंसर, ऑर्थोपेडिक एवं अन्य रोगियों को उत्कृष्ट सेवायें प्रदान करती आ रही है। कार्यक्रम में संस्था के रीजनल हेड बिनय भूषण दाश, अभिजीत अकोलेकर, डॉ. सुदाम दाश, वरिष्ठ डॉक्टर्स एवं फिजियोथेरेपिस्टस की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कैशलेस स्वास्थ्य योजना की जानकारी लेने पहुंची मध्यप्रदेश विद्युत कंपनी व पंजाब की टीम

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की कैशलेस स्वास्थ्य योजना के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए मध्यप्रदेश विद्युत उत्पादन कंपनी के प्रबंध निदेशक सहित मध्यप्रदेश विद्युत कंपनियों के प्रतिनिधि तथा पंजाब स्टेट पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड के अधिकारी छत्तीसगढ़ आए हैं। वे परियोजना प्रबंधन को समझने कल रायपुर स्थित मुख्यालय सेवा भवन डंगनिया पहुचेंगे। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशक जनरेशन श्री एस.के कटियार एवं ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री आर.के.शुक्ला उपस्थित रहेंगे।

आई.एस.ए मॉडल के तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में लागू होने वाली यह पहली स्वास्थ्य परियोजना है। यह योजना अक्टूबर 2023 से लागू है और 7 महीनों में इस योजना से लाभांवित नियमित कर्मचारी, कर्मचारी के परिजन व पेंशनरों की संख्या बढ़ती जा रही है। यह योजना किफायती, सरल और भरोसेमंद साबित हो रही है इस लिये देश की सभी पॉवर कंपनियों द्वारा इस योजना को लागू करने का विचार किया जा रहा है।

ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन के महाप्रबंधक श्री अशोक वर्मा व अति महाप्रबंधक श्री विनोद अग्रवाल द्वारा परियोजना संबंधित जानकारियॉ प्रदान की जाऐंगी। मानव संसाधन विभाग द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश विद्युत कंपनी से 15 अधिकारी व पंजाब स्टेट पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड से भी दो अधिकारी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कार्यक्रम में पीपीपी के माध्यम से योजना संबंधित विभिन्न जानकारियॉ दी जायेंगी। साथ ही चर्चा का भी सत्र रखा गया है जिसमें अतिथियों द्वारा प्रश्नोत्तरी माध्यम से परियोजना प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की जायेगी।

सिटकॉन रायपुर के पूर्व राज्य प्रमुख इंजी. प्रसन्न निमोणकर अब अमोघ फाइनेंसियल सर्विसेस प्रालि के प्रबंध संचालक

रायपुर (विश्व परिवार)। सिटकॉन रायपुर के पूर्व राज्य प्रमुख इंजी. प्रसन्न निमोणकर अब अमोघ फाइनेंसियल सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध संचालक नियुक्त किये गये हैं. अमोघ में श्री विवेक बर्वे सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबन्धक पंजाब नेशनल बैंक, मुख्य सलाहकार हैं. अमोघ नव तथा स्थापित उद्यमियों को परामर्श प्रदान करने वाली राज्य में अपनी तरह की एक विशिष्ट कंपनी के रूप में पहचान बना चुकी है.

अपने सूत वाक्य Solution Under One Roof (सभी समाधान एक छत के नीचे) को चरितार्थ करते हुए अमोघ सभी प्रकार के व्यावसायिक उपक्रमों यथासेवा, व्यापर एवं उत्पादनके क्षेत्र मेंन सिर्फ स्थापित उद्यमियों को वरन नव उद्यमियों को भी मार्गदर्शक सेवाएं प्रदान कर रही है.

अमोघ की सेवा गतिविधियों में युवाओ हेतु स्वरोजगार के अवसरों की पहचान, छत्तीसगढ़ राज्य की औद्योगिक नीती के प्रावधानों पर मार्गदर्शन, परियोजना संक्षिप्त एवं विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (Project Profile &Detailed Project Report) तैयार करना, औद्योगिक, व्यावसायिकएवं आवासीय अधो-संरचना निर्माण हेतु सभी प्रकार की अभियांत्रिकी एवं वित्तीय परामर्श सेवाएं प्रदान करना, तकनीकी व आर्थिक संभाव्यता प्रतिवेदन [Techno-Economic Viability Study {TEV}] तैयार करना, बैंक एवं तत्सम वित्तीय संस्थाओं के लिए ऋण दाता के स्वतंत्र अभियंता [LenderÓs Independent Engineer {LIE}] के रूप में सेवा प्रदान करना, अस्तियों का मूल्यांकन/ आकलन करना (Valuation Report), उद्यमियों को ऋण प्राप्ति हेतु सहयोग करना, प्रबंधकीयसूचना तंत्र [Management Infortmation System {MIS}] विकसित करना, उद्योग/ व्यापार केसंवर्धन के लिए कार्यशाला/ सेमिनारका आयोजन करना, सूक्ष्म, लघु एवं माध्यम उद्यम को विभिन्न अनुदान व सुविधाओं का लाभ सुलभ कराना, उद्यमिता विकास हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना, उत्पाद विशेष हेतु बाज़ार सर्वेक्षण करना, कच्चे मॉल की उपलब्धता कासर्वेक्षण करना, पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक परामर्श प्रदान करना, कर्मचारियों/अधिकारियों हेतु प्रबंधकीय कौशल विकास के प्रशिक्षण आयोजित करना, विधिक एवं कर संबंधित परामर्श प्रदान करना, आयात-निर्यात संबंधी परामर्श प्रदान करना आदि सम्मिलित है.

अमोघ के साथ श्री शशांक मोघे एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, इंजी योगेश शर्मा सिविल इंजीनियर, श्री सुजय निमोणकर कंपनी सेक्रेटरी, श्री शलभ श्रीवास्तव विधिक सलाहकार, श्री भगीरथ कालेले आयात-निर्यात सलाहकार, एवं श्री चैतन्यडांग आर्किटेक्ट के रूप में सम्बद्ध हैं.

बिरगांव रायपुर ईकाई द्वारा भगवान परशुराम जी प्राकट्य उत्सव एवं भव्य शोभायात्रा का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। छ.ग.प्रान्तीय अखण्ड ब्राह्मण समाज बिरगांव ईकाई द्वारा भगवान परशुराम जी प्राकट्य उत्सव, भव्य शोभायात्रा, आर्दश विवाह, व प्रतिभाशाली विप्र समाज के छात्र-छात्राओं (10 वी 12 वी) सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम श्री परशुराम जी के तैल चित्र पर भव्य विधि विधान से पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात चि.विपीनजी, सौ.का.विनीता पोड़ी वाले का विधि विधान से मंगल परिणय का कार्यक्रम पं.मेघराजजी, पं हेमलाल शर्मा जी, पं.सुर्यानंद महराज जी, प.लक्ष्मीकांतमहराज जी, प.कमलेश शुक्ला जी, मातृशक्ति चन्द्रकिरण पाठक जी प्रमुख पदाधिकारियों के नेतृत्व व उपस्थिति में विवाह कार्यक्रम के उपरांत के कार्यक्रम सम्पन्न हुए। दोपहर 3.00बजे से मुख्य अतिथि के रूप में पूज्य दाण्डी स्वामी श्री ज्योतिर्मयानंद जी महराज सलधा बेमेतरा, ब्रम्हचारी डा.इन्दुभवानंदजी महराज शंकराचार्य आश्रम, प्रमुख रायपुर, आचार्य श्री रामप्रताप शास्त्री जी महाराज (संस्थापक श्री आद्य शंकराचार्य विद्यापीठ) बेमेतरा, विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती भारती किरण शर्मा जी, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती निशा तिवारी जी नारी प्रकोष्ठ श्री ओमप्रकाश साहूजी नेता प्रतिपक्ष बिरगांव, श्री केहरू साहूजी पार्षद, की उपस्थिति में आर्शीवचन व उदबोधन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, धर्मरक्षा, ब्राह्मण समाज के कार्य संस्कृति, संस्कार व शिक्षा, धर्म के प्रति कर्तव्य पर आधारित प्रेरणात्मक विचार सभी पूज्य पाद स्वामी जी के मुखारविंद से समाज को सुनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। समाज के 13 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का जो हाईस्कूल, हायर सेकंडरी परीक्षा 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज को गौरवान्वित किये है, उनका प्रमाण पत्र व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष सरिता तरूण शर्मा, संरक्षक विजयलक्ष्मी शर्मा, विभा तिवारी, महासचिव सुनीता मिश्रा, शजिन्ता शुक्ला, सचिव सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, कमलेश शर्मा सचेतक एवं मीडिया प्रभारी, ईश्वर प्रसाद शर्मा संगठन सचिव, नेहा शर्मा जिला सचिव रत्ना तिवारी, सुषमा शुक्ला, फत्ते प्रसाद दुबे सुरेन्द्र उपाध्याय, उमेन्द्र मिश्रा, बसंत शर्मा, चंदन तिवारी, कृष्णा द्विवेदी, मुकेश तिवारी, मोनु दुबे, योगेश्वरानंद जी, ईश्वर तिवारी, गजेंद्र पाण्डेय, राहुल शुक्ला, ज्ञानेन्द्र तिवारी, संध्या दुबे, शालिनी शर्मा, व सभी सम्मानित पदाधिकारी व कार्यकर्ता सक्रिय सदस्य उपस्थित हुए। समस्त कार्यक्रम का संचालन संजय शुक्ला प्रदेश सचिव द्वारा किया गया। बीरगांव के सभी संगठन पदाधिकारी को संगठन हित, में हमेशा नवाचार करते हुए, उत्कृष्ट कार्यक्रम आयोजन हेतु प्रदेश संगठन ने शुभकामनाएं व बधाई दी।

आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में 1256 बच्चों का स्वर्णप्राशन

रायपुर (विश्व परिवार)। बच्चों के व्याधिक्षमत्व, पाचन शक्ति, स्मरण शक्ति, शारीरिक शक्तिवर्धन एवं रोगों से बचाव के लिए शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय रायपुर में सोमवार को 1256 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय के कौमारभृत्य विभाग द्वारा हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से 16 वर्ष के बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया जाता है। स्वर्णप्राशन के साथ ही डॉ. लवकेश चंद्रवंशी ने बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया।

आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय परिसर में प्राचार्य प्रो. डॉ. जी.आर. चतुर्वेदी, चिकित्सालय अधीक्षक प्रो. डॉ. प्रवीण कुमार जोशी और कौमारभृत्य विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीरज अग्रवाल के निर्देशन में स्वर्णप्राशन कराया गया। स्वर्णप्राशन समन्वयक डॉ. लवकेश चन्द्रवंशी ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यह काफी लाभदायक है। महाविद्यालय के स्नातकोत्तर एवं स्नातक छात्र-छात्राएं हर महीने इसमें महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय द्वारा इस वर्ष की अन्य पुष्य नक्षत्र तिथियों 25 जनवरी को 1235, 21 फरवरी को 1420, 18 मार्च को 1720 और 16 अप्रैल को 1410 बच्चों को स्वर्णप्राशन कराया गया था।

कलेक्टर और एसएसपी ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट समय-सीमा में जारी करने ली बैठक

रायपुर (विसं)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और एसएसपी संतोष सिंह ने आज कलेक्टर सभाकक्ष में समय-सीमा के भीतर पोस्टमार्टम और रिपोर्ट तैयार करने के संबंध में पुलिस विभाग व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने शवों का पोस्टमार्टम जल्द से जल्द हो, इसके लिए एम्स हॉस्पिटल में भी चौकी खोलने के निर्देश दिए है। इससे पीएम भी जल्द होगा और रिपोर्ट भी जल्द से जल्द प्राप्त हो सकेगी। कलेक्टर के निर्देश पर मॉनीटरिंग ऑफपोस्टमार्टम सिस्टम तैयार किए जा रहे है। इससे पोस्टमार्टम की सभी गतिविधियां ऑनलाइन पता चल सकेगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी कर पोर्टल में जानकारी अपडेट करनी होगी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354